वर्ष 13 • अंक 26 • 12 पृष्ठ
• मूल्य 5 रुपये

बुधवार 18 मार्च 2020

कोलकाता, चंडीगढ़, नई दिल्ली, पटना, भोपाल, मुंबई, रायपुर और लखनऊ से प्रकाशित।

भारत का पहला संपूर्ण हिंदी आर्थिक अखबार

बिज़नेस स्टैंडर्ड

www.bshindi.com

पृष्ठ 6
जिंसों में गिरावट जारी

अजीम प्रेमजी पृष्ठ 3
मार्च तिमाही में विप्रो पर नहीं पड़ेगा कोरोना का असर

डॉलर रु. 74.30 (अपरिवर्तित) | यूरो रु. 81.80 ▼ 01.10 रुपये | सोना (10ग्राम) ₹39726 ▼ 109 रुपये | सेंसेक्स 30579.10 ▼ 811.00 | निफ्टी 8967.10 ▼ 230.40 | निफ्टी फ्यूचर्स 8915.60 ▼ 51.40 | ब्रेंट क्रूड 28.20 डॉलर ▲ 0.30 डॉलर

एक नज़र

मूडीज ने घटाया भारत का वृद्धि अनुमान

रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कोरोना से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर के मद्देनजर वित्त वर्ष 2020 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 5.3 फीसदी कर दिया है। मूडीज ने पहले इसके 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया था लेकिन फरवरी में इसे घटाकर 5.4 फीसदी कर दिया था। एजेंसी ने कहा कि कोरोनावायरस का अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर हो सकता है। प्रभावित देशों में इससे घरेलू मांग पर असर हो रहा है, आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है तथा विदेशी व्यापार घट रहा है।

न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार से मांगा जवाब

उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश विधानसभा में तत्काल शक्ति परीक्षण के मुद्दे पर कमलनाथ सरकार से बुधवार तक जवाब मांगा है। न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री कमलनाथ, विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति और विधान सभा के प्रधान सचिव को नोटिस जारी किए। राज्यपाल लालजी टंडन ने कमलनाथ को 16 मार्च को सदन में अपना बहुमत साबित करने को कहा था लेकिन प्रजापति ने कोरोनावायरस का हवाला देते हुए सदन में शक्ति परीक्षण कराये बगैर ही सोमवार को सदन की कार्यवाही 26 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी थी।

गोएयर ने बंद कीं अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

घरेलू विमानन कंपनी गोएयर ने कोरोनावायरस संकट के मद्देनजर 17 मार्च से 15 अप्रैल तक अपनी सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद करने की घोषणा की है। उड़ानों की संख्या में कमी के कारण कंपनी क्रमिक आधार पर अपने कर्मचारियों को बिना वेतन की छुट्टी पर भेजेगी। कोरोनावायरस के कारण कई देशों ने यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं। इससे वैश्विक हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। गोएयर ने कहा कि इन उपायों से उसे उड़ानों की संख्या में कटौती के असर से निपटने में मदद मिलेगी।

कोविड-19 के कारण कई रेलगाड़ियां रद्द

मध्य रेलवे ने मंगलवार को कोरोनावायरस के तेजी से बढ़ते खतरे से निपटते हुए 23 रेलगाड़ियां रद्द कर दीं। पश्चिम रेलव ने भी 1 अप्रैल तक के लिए 5 रेलगाड़ियां रद्द करने करने की घोषणा की है। संक्रमण फैलने के डर से यात्रियों की संख्या में भी भारी कमी देखी गई है। बुधवार से रेलगाड़ियां रद्द होने की घोष्णा प्रभावी हो जाएगी। इस बीच, रेलवे प्लेटफॉर्म में भीड़ में कमी लाने के लिए रेलवे के कुछ मंडलों ने प्लेटफॉर्म टिकट का दाम 10 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दिया है।

येस बैंक के पास पर्याप्त नकदी

8,500 करोड़ रुपये की वसूली की उम्मीद, दूसरे दौर में जुटाएगा 10 हजार करोड़ रुपये

सुब्रत पांडा और अभिजित लेले
मुंबई, 17 मार्च

संकट से जूझ रहे निजी क्षेत्र के ऋणदाता येस बैंक को अगले वित्त वर्ष में चूककर्ता कंपनियों से 8,500 करोड़ रुपये की वसूली की उम्मीद है। साथ ही बैंक वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही के दौरान दूसरी किस्त से 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की नई इक्विटी जुटाने की भी योजना बना रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) येस बैंक को संकट उबारने की योजना की अगुआई कर रहा है और वह अगले तीन साल तक इसके करीब 49 फीसदी शेयर अपने पास रखेगा। पुनर्गठन योजना के मुताबिक एसबीआई येस बैंक में 26 फीसदी हिस्सेदारी को तीन साल तक बेच नहीं पाएगा। एसबीआई के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा, 'तीन साल तक हम येस बैंक में एक भी शेयर नहीं बेचेंगे। इस दौरान हमें अपने निवेश पर ठीकठाक रिटर्न मिलने की उम्मीद है। किसी को भी मुनाफाखोरी की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।'

येस बैंक के कामकाज पर लगी पाबंदी हटने से एक दिन पहले मीडिया से मुखातिब हुए बैंक के प्रशासक प्रशांत कुमार ने कहा कि बैंक ने निकासी में तेजी की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी की है। उन्होंने कहा, 'हमारे सभी एटीएम और शाखाओं में नकदी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है और हम बाहर से नकदी की जरूरत नहीं पड़ेगी। फिर भी अगर जरूरत पड़ी तो इसका भी पूरा इंतजाम किया गया है।' इससे पहले शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि जरूरत पड़ने पर येस बैंक को नकदी की मदद की जाएगी। आने वाले दिना में बैंक थोक जमा पर निर्भरता कम करने के लिए खुदरा जमा पर जोर देगा। प्रशांत कुमार ने कहा, 'हमारी प्राथमिकता खुदरा जमा आधार बनाने की होगी। हमारे कुल ऋण में 60 फीसदी हिस्सा खुदरा ऋण और बाकी हिस्सा कॉरपोरेट ऋण का होगा। अभी बैंक के कुल ऋण में 60 फीसदी हिस्सा कॉरपोरेट ऋण का और 40 फीसदी खुदरा ऋण का है।'

येस बैंक के लिए पहले दौर की फंडिंग के बारे में एसबीआई चेयरमैन ने कहा कि इसके लिए पर्याप्त पूंजी उपलब्ध थी लेकिन यह फैसला किया गया कि इसमें घरेलू बैंक हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, बहुत कम समय में ही कई अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन इससे बैंक को लंबे समय तक पाबंदी से गुजरना पड़ता। लेकिन हम जल्दी से जल्दी पाबंदी को हटाकर स्थिति को सामान्य करना चाहते थे। (शेष पृष्ठ 2 पर)

येस बैंक के प्रशासक प्रशांत कुमार और एसबीआई के चेयरमैन रजनीश कुमार।

येस बैंक का शेयर
बीएसई पर कीमत रुपये में

निकट अवधि की प्राथमिकताएं

- खुदरा जमा का बेहतर उपयोग
- एमएसएमई सहित खुदरा ऋण पर जोर
- दबाव वाली संपत्तियों के समाधान में तेजी लाना
- लागत को कम करना

वैश्विक मंदी के डर से बिकवाली हावी

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 17 मार्च

शेयर बाजार में राहत के संकेत नजर नहीं आ रहे हैं क्योंकि विदेशी निवेशक वैश्विक मंदी की आशंका में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। बेंचमार्क निफ्टी करीब तीन साल बाद आज पहली बार 9,000 के स्तर से नीचे बंद हुआ। हालांकि सेंसेक्स 30,000 के स्तर को बनाए रखा। पिछले दो दिन में निफ्टी करीब 1,000 अंक टूट चुका है और सेंसेक्स करीब 3,500 अंक नीचे आया है।

सुबह के कारोबार में बाजार अच्छी बढ़त पर खुला था जिससे निवेशकों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन कारोबार के दौरान काफी उतार चढ़ाव बना रहा और सेंसेक्स 658 अंक चढ़ने के बाद कारोबार की समाप्ति पर 811 अंक लुढ़ककर 30,579 पर बंद हुआ। निफ्टी 230 अंक नीचे 8,967 पर बंद हुआ, जो मई 2017 के बाद इसका निचला स्तर है।

आर्थिक वृद्धि पर कोरोनावायरस के असर और कंपनियों की आय की चिंता से बाजार में गिरावट बढ़ी। हर दिन कोरोना प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ रही है और स्थिति को काबू में करने के लिए वैश्विक स्तर पर कामकाज बंद करने का भी जोखिम बना हुआ है। कोरोनावायरस से दुनिया भर में अब तक 1.74 लाख लोग संक्रमित हैं और करीब 7,000 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्वव्यापी महामारी के कारण दुनिया भर के शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली हो रही है और सरकारों तथा केंद्रीय बैंकों के तमाम उपायों के बावजूद मंदी की चिंता बढ़ गई है।

मॉर्गन स्टैनली ने कहा, 'अधिकतर सरकारें और निजी क्षेत्र की कंपनियां वायरस से बचने के लिए सख्त सामाजिक अलगाव जैसे उपाय कर रही है, जिससे गंभीर आर्थिक नुकसान होने का खतरा है।'

फ्रांस, इटली और स्पेन ने शॉर्ट सेलिंग पर रोक लगा दी है, वहीं कुछ छोटे बाजारों ने अपने वित्तीय बाजार को पूरी तरह से बंद कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुद्रा की अदला-बदली और बाजार में तरलता बढ़ाने के उपायों की घोषणा की है। बहुत सारे निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि केंद्रीय बैंक जल्द ही दर में कटौती की घोषणा कर सकता है। इससे पहले रविवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दर में कटौती की थी और सोमवार को एशिया के कई केंद्रीय बैंकों ने भी दरें घटाने की घोषणा की थी। सेंसेक्स के करीब दो-तिहाई शेयर नुकसान पर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक में करबी 9 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर और एशियन पेंट्स में 3-3 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। ■ संबंधित खबर : पृष्ठ 3

किसे फायदा, कौन नुकसान में

	17 मार्च	% बदलाव*
इनमें आई तेजी		
एचयूएल	2,009.0	3.5
हीरो मोटोकॉर्प	1,839.2	3.1
एशियन पेंट्स	1,734.2	3.0
पावरग्रिड	162.2	2.5
मारुति सुजूकी	5,604.0	2.1
इनमें गिरावट		
आईसीआईसीआई बैंक	366.9	-8.9
इंडसइंड बैंक	604.3	-8.9
बजाज फाइनैंस	3,444.9	-6.3
एचडीएफसी	1,754.8	-4.7
इन्फोसिस	555.6	-4.7

बीएसई- क्षेत्रवार सूचकांक

	17 मार्च	% गिरा*
बीएसई बैंकेक्स	25,293	-4.5
बीएसई फाइनैंस	4,966	-4.4
बीएसई दूरसंचार	1,039	-3.5
बीएसई आईटी	11,893	-3.0
बीएसई रियल्टी	1,604	-2.5

*पिछले दिन के बंद भाव के मुकाबले
स्रोत : ब्लूमबर्ग

प्राइवेट लैब में भी कोविड-19 की जांच

सोहिनी दास
मुंबई, 17 मार्च

सरकार ने मंगलवार को निजी लैब्स को कोरोनावायरस के नए मामलों की जांच करने की इजाजत दे दी। सरकार के इस निर्णय से वे लोग अपनी जांच करा पाएंगे, जिन्हें संक्रमण होने का अंदेशा है। हालांकि जांच शुल्क पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन देश के शीर्ष दवा शोध संस्था भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि वह निजी लैब से नि:शुल्क जांच करने की अपील करेगा।

उद्योग जगत के सूत्रों के अनुसार कोरोनावायरस के संक्रमण की जांच पर 9,000 से 12,000 रुपये तक खर्च आ सकता है, जो किट के प्रकार और इसकी गुणवत्ता पर निर्भर करेगा। इस समय कोविड-19 के लिए जांच किट पर काम तेजी से हो रहा है। इस कारोबार से जुड़ी निजी क्षेत्र की कंपनियों का कहना है कि जांच प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के अनुसार शुल्क तय करने की तैयारी हो रही है। इस बारे में एक निजी कंपनी ने कहा,'अगर रसायन 3,000 रुपये में उपलब्ध होगा तो जांच शुल्क बिना किसी लाभ के 9,000 रुपये का आएगा।' इस बीच, देश की शीर्ष जांच कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई। डॉ. लाल पैथलैब्स का शेयर मंगलवार को प्रति शेयर 3 प्रतिशत चढ़कर 1,500 रुपये पर बंद हुआ, जबकि मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर भी 2.4 प्रतिशत तक उछल गया।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने कहा है कि कोविड-19 के लिए वह देश भर में 51 नैशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड सक्रिय करेगा। (शेष पृष्ठ 12 पर)

- आईसीएमआर ने की प्राइवेट लैब से मुफ्त जांच की अपील
- कोविड-19 की जांच के लिए आईसीएमआर ने 49 नई प्रयोगशालाएं करेगी सक्रिय
- मरीजों को नहीं जाना होगा लैब, घर से लिए जाएंगे सैंपल

कोरोना से 137 में संक्रमण की पुष्टि, 5,700 पर नजर

एजेंसियां
नई दिल्ली, 17 मार्च

कई राज्यों से कोरोनावायरस के नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमित लोगों की संख्या आज बढ़कर 137 पहुंच गई। इनमें 24 विदेशी नागरिक और तीन मृतक भी शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इन लोगों के संपर्क में आए 5,700 लोगों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है। मुंबई में आज एक व्यक्ति की मौत के बाद देश में इससे मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि अगर लोगों ने गैर जरूरी यात्रा से परहेज नहीं किया तो ट्रेन और बस सेवाओं को बंद करने का कड़ा फैसला लेना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों और विभागों को अपने भवनों में प्रवेश द्वार पर थर्मल स्कैनर लगाने और आगंतुकों को अस्थायी एवं विजिटर पास जारी करना तत्काल प्रभाव से स्थगित करने को कहा। सरकारी इमारतों में स्थित जिम, मनोरंजन केंद्र और शिशु देखभाल केंद्रों को बंद करने का निर्देश भी दिया गया है। सरकार ने दवा कंपनियों से मास्क, दस्ताने और सैनेटाइजर्स के उत्पादन एवं बिक्री के बारे में बुधवार तक ब्योरा देने को कहा है। ■ संबंधित खबर : पृष्ठ 12

आज का सवाल ?

क्या कोरोना संकट से वैश्विक मंदी का बढ़ेगा खतरा

www.bshindi.com
पर राय भेजें।

आप अपना जवाब एसएमएस भी कर सकते हैं। यदि आपका जवाब हां है तो **BSP Y** और यदि न है तो **BSP N** लिखकर **57007** पर भेजें।

पिछले सवाल का नतीजा

क्या मौजूदा हालात में आरबीआई को तत्काल घटानी चाहिए दरें?

हां	55.56%
नहीं	44.44%

व्यापार गोष्ठी

महामारी से निपटने को कितने तैयार हम?

अपनी राय पासपोर्ट साइज फोटो और पूरे पते के साथ हमें इस पते पर भेजें :

**बिज़नेस स्टैंडर्ड , नेहरू हाउस,
4 बहादुरशाह ज़फर मार्ग,
नई दिल्ली-110002
फैक्स नंबर - 011-23720201
या फिर ई-मेल करें
goshthi@bsmail.in
अपने विचार आप हमें bshindi.com पर भी भेज सकते हैं**

खबरों में रहे स्टॉक

इंडिया सीमेंट्स

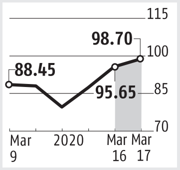

राधाकृष्णन दामानी और उनके परिवार ने बढ़ाई हिस्सेदारी

₹ 95.65 पिछला बंद भाव
₹ 98.70 आज का बंद भाव
▲3.19 %

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज

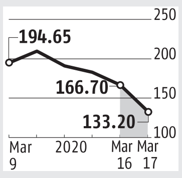

निफ्टी50 सूचकांक में सबसे अधिक गिरने वाला शेयर

₹ 166.70 पिछला बंद भाव
₹ 133.20 आज का बंद भाव
▼20.10 %

आईसीआईसीआई बैंक

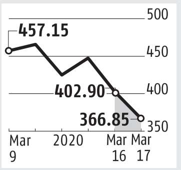

बाजार पूंजीकरण सूची में आठवें पायदान पर फिसला

₹ 402.90 पिछला बंद भाव
₹ 366.85 आज का बंद भाव
▼8.95 %

इन्फोसिस

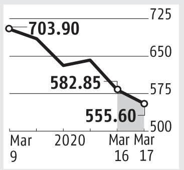

बाजार पूंजीकरण 25 अप्रैल 2018 के बाद पहली बार 2.5 लाख करोड़ रु. से नीचे

₹ 582.85 पिछला बंद भाव
₹ 555.60 आज का बंद भाव
▼4.68 %

येस बैंक

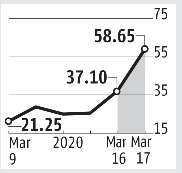

मूडीज ने बढ़ाई रेटिंग, परिदृश्य को बदलकर सकारात्मक किया

₹ 37.10 पिछला बंद भाव
₹ 58.65 आज का बंद भाव
▲58.09 %

संक्षेप में

पुणे मेट्रो के कोच बनने में होगी देरी, कारखाना बंद

इटली की टीटागढ़ फिरेमा को पुणे मेट्रो के एल्युमीनियम कोच के नमूने के विनिर्माण में देरी होगी। इटली में कोरोना वायरस महामारी के भीषण प्रकोप की वजह से वहां उसके संयंत्र में काम बंद है। इटली में इन डिब्बों का विनिर्माण टीटागढ़ फिरेमा कर रही है। यह कंपनी कोलकाता की टीटागढ़ वैगन्स कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। टीटागढ़ वैगन्स के एक अधिकारी ने यहां मंगलवार को कहा कि मेट्रो कोच के नमूने के विनिर्माण का उद्घाटन पहले 8 अप्रैल को संभावित था। लेकिन इटली सरकार के दिशानिर्देशों के बाद कंपनी ने अपना कारखाना 31 मार्च तक के लिए बंद कर दिया है। *भाषा*

ओएनजीसी ने केजी ब्लॉक से गैस उत्पादन शुरू किया

सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी ने बंगाल की खाड़ी स्थित सबसे महत्त्वपूर्ण कृष्णा गोदावरी बेसिन ब्लॉक से गैस का उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी आने वाले सप्ताह में उत्पादन बढ़ाएगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कंपनी के लिए उत्पादन बढ़ाने के लिहाज से यह क्षेत्र काफी महत्त्वपूर्ण है। केजी- डीडब्ल्यूएन-98-2 यानी केजी- डी5 ब्लॉक रिलायंस इंडस्ट्रीज के उत्पादन के लिहाज से मंद पड़ते केजी-डी6 ब्लॉक से लगता हुआ क्षेत्र है। अधिकारियों का कहना है कि कंपनी ने केजी-डी5 ब्लॉक से उत्पादन शुरू कर दिया है। वर्तमान में इस ब्लॉक से यह ढाई लाख घनमीटर प्रतिदिन का उत्पादन कर रही है। *भाषा*

येस बैंक में तेजी की क्या है वजह

10,000 करोड़ रुपये का निवेश, लॉक इन अवधि और शॉर्ट कवरिंग के कारण शेयर 1.3 गुना चढ़ा

समी मोडक और हंसिनी कार्तिक
मुंबई, 17 मार्च

येस बैंक का शेयर महज दो कारोबारी सत्र में 2.3 गुना चढ़ गया और यह शुक्रवार के 25.5 रुपये के मुकाबले मंगलवार को 58.7 रुपये पर पहुंच गया। यह तेजी तब भी देखने को मिली जब बेंचमार्क निफ्टी इस अवधि में 10 फीसदी टूट गया।

ऐसे में संकट में फंसे निजी बैंक के शेयर में आखिर क्यों बढ़ोतरी दर्ज हुई? इसकी दो वजह है। पहला, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैक और एचडीएफसी समेत अहम वित्तीय संस्थान बैंक की पुनर्गठन योजना के तहत 10,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। देसी निवेशक इस बैंक में रकम झोंक रहे हैं और बैंक पर लगी रोक बुधवार शाम खत्म हो जाएगी। साथ ही वैश्विक रेटिंग फर्म मूडीज ने येस बैंक के आउटलुक को सकारात्मक कर दिया, जिसका असर मंगलवार को शेयर कीमत पर पड़ा। एजेंसी ने कहा, नई पूंजी जुटाए जाने और एटी-1 पूंजी को बट्टे खाते में डाले जाने से से मूडीज को उम्मीद है कि बैंक की सॉल्वेंसी सुधरी है और बैंक के जमाकर्ताओं व वरिष्ठ लेनदारों के लिए रिकवरी की दर काफी ऊंची हो गई है, जो मौजूदा क्रेडिट रेटिंग को सहारा देता है। इसके अलावा मंगलवार को येस बैंक के प्रशासक के प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि दबाव वाले पूरे कर्ज की पहचान दिसंबर तिमाही के नतीजों में कर ली गई है, इससे भी येस बैंक के मौजूदा व नए निवेशकों का भरोसा बढ़ा। दूसरा, मौजूदा व नए जारी शेयरों के 75 फीसदी हिस्से की बिक्री पर तीन साल साल की विवादास्पद पाबंदी। इस पर भी ध्यान देना जरूरी है कि शुक्रवार के कारोबार में 16 फीसदी सुधार से पहले निफ्टी 10 फीसदी टूट गया था। कई बैंकिंग व वित्तीय शेयर उस कारोबारी सत्र में 30 फीसदी से ज्यादा चढ़े-उतरे थे, जो ट्रेडरों के लिए अहम बन गया।

बाजार में खास तौर से वित्तीय शेयरों के लिए कमजोर बाजार अवधारणा के बाद भी शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद येस बैंक के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन थे। सप्ताहांत में सरकार ने पुनर्गठन योजना की विस्तृत जानकारी दी, जिसके तहत एसबीआई येस बैंक की 48.2 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 6,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा, वहीं आईसीआईसीआई बैंक व एचडीएफसी 8-8 फीसदी हिस्सेदारी के लिए क्रमशः 1,000-1,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा। इस बीच, छह अन्य 250 करोड़ रुपये और 600 करोड़ रुपये के बीच निवेश करेंगे।

इन आठों निवेशकों को 10 रुपये वाले 10.2 अरब नए शेयर जारी किए जाएंगे। इससे येस बैंक का इक्विटी आधार 2.55 अरब शेयर से 12.55 अरब शेयर पर पहुंच जाएगा। हमें समझना होगा कि भारी निवेश को देखते हुए येस बैंक के शेयर की कीमत समायोजित हो जाएगी, जैसा कि बोनस या शेयर विभाजन में होता है, जब नए शेयर बाजार में प्रवेश कर जाएंगे (जिसके बुधवार को होने की संभावना है)। मौजूदा कीमत 58.7 रुपये पर समायोजित कीमत 20 रुपये प्रति शेयर बैठती है, जो मौजूदा शेयरों व नए शेयरों की भारांकित औसत कीमत है। इसी तरह शुक्रवार के भाव 25.5 रुपये पर समायोजित कीमत 12.6 रुपये प्रति शेयर बैठती है, जो नौ संस्थानों को मिले शेयर कीमत पर 26 फीसदी प्रीमियम दर्शाता है। मौजूदा बाजार दर पर नए शेयरों के लिए समायोजित कीमत मूल कीमत का दोगुना है।

बाजार के प्रतिभागियों को लग रहा है कि प्रीमियम 20 से 50 फीसदी के बीच रहेगा। कई लोगों को उम्मीद है कि जमाकर्ताओं का सहारा और नई पूंजी बैंक को नए युग में ले जाएगा। ऐसे में मंगलवार को बाजार की तरफ से 100 फीसदी प्रीमियम चुकाने की इच्छा को कौन सी चीज उपयुक्त ठहराती है? इसका जवाब है शॉर्ट पोजीशन में फंसे होना। चूंकि लॉक इन की घोषणा पूर्व सूचना के बिना हुई थी, ऐसे में डेरिवेटिव व नकदी में शॉर्ट सेलर्स को अपनी पोजीशन कवर करनी पड़ी।

नया येस बैंक

पूंजी ढांचा	शेयरों की संख्या (अरब में)	शेयर मूल्य (रुपये में)	बाजार पूंजीकरण (करोड़ रुपये में)
वर्तमान	2.55	59	15,000
पूंजी निवेश के बाद*	12.55	20	25,000

	निवेश (करोड़ रुपये में)	हिस्सेदारी (फीसदी में)
एसबीआई	6,050.0	48.21
आईसीआईसीआई बैंक	1,000.1	7.97
एचडीएफसी	1,000.0	7.97
ऐक्सिस बैंक	600.0	4.78
कोटक	500.0	3.98
फेडरल बैंक	300.0	2.39
बंधन बैंक	300.0	2.39
आईडीएफसी फर्स्ट	250.0	1.99
एलआईसी	205.5	1.64

स्रोतः बीएसई, *वर्तमान मूल्य और नए शेयर के लिए निर्गम मूल्य पर आधारित

आरबीएल बैंक ने गंवाई 3 फीसदी जमा रकम

सुब्रत पांडा
मुंबई, 17 मार्च

निजी क्षेत्र के ऋणदाता आरबीएल बैंक ने आज कहा कि संस्थागत जमाकर्ताओं और राज्य सरकार की संस्थाओं द्वारा की गई निकासी के कारण पिछले सप्ताह उसे अपनी कुल जमा का करीब 3 फीसदी हिस्सा गंवाना पड़ा। वित्त वर्ष 2020 की तीसरी तिमाही में बैंक के पास कुल जमा रकम 62,907 करोड़ रुपये थी।

बैंक ने कहा है कि राज्य सरकार की संस्थाओं द्वारा जमा पूंजी की निकासी के मामलों को राज्य सरकारों के साथ एक-एक करके निपटाया जा रहा है। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उद्योग के स्तर पर इन मामलों को निपटाया जा रहा है। बैंक ने कहा, 'इसके बावजूद हमारे पास पर्याप्त खुदरा जमा, संस्थागत जमा, पुनर्वित्त एवं अतिरिक्त नकदी परिसंपत्तियों के साथ काफी नकदी उपलब्ध है।'

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह राज्य सरकारों को पत्र लिख कर कहा था कि वे अपनी जमा रकम को निजी क्षेत्र के बैंकों के इतर हस्तांतरित न करें क्योंकि निजी बैंकों के पास जमा रकम की सुरक्षा को लेकर जताई जा रही आशंकाएं बेबुनियाद हैं। आरबीएल बैंक ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार बयान जारी कर कहा है कि वह एक दमदार प्रशासन व्यवस्था के साथ वित्तीय तौर पर मजबूत, लाभप्रद और नकदी संपन्न बैंक है। बैंक ने यह भी कहा है कि बैंक की वित्तीय सेहत एवं स्थायित्व को लेकर बाजार की अफवाहें बिल्कुल बेबुनियाद और तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। ऐसी अफवाहें जानबूझकर फैलाई जा रही हैं।

इंडसइंड, आरबीएल बैंक: जोखिम का असर

हंसिनी कार्तिक
मुंबई, 17 मार्च

इंडसइंड बैंक और आरबीएल बैंक के शेयरों की कीमत एक महीने में घटकर लगभग आधी रह गई है और एक साल में इनमें 65-75 प्रतिशत के बीच गिरावट आई है। परिसंपत्ति गुणवतता और ऋण वृद्धि से जुड़ी चिंताओं से निवेशक धारणा प्रभावित होने से इन शेयरों में चमक फीकी पड़ी है। मौजूदा स्तर पर, आरबीएल बैंक का शेयर अपने सर्वाधिक निचले स्तर के नजदीक और इंडसइंड बैंक 6 साल के निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है। इंडसइंड बैंक के प्रबंधन द्वारा एक सप्ताह पहले यह स्पष्ट किया गया था कि बैंक अच्छी तरह से पूंजीकृत है। आरबीएल ने भी मंगलवार को मीडिया को जारी किए बयान में कहा कि उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है, हालांकि उसने पिछले सप्ताह जमाओं में 3 प्रतिशत की कमी दर्ज की। येस बैंक के घटनाक्रम से निवेशकों का भरोसा डगमगाने से इन शेयरों और बैंकिंग क्षेत्र पर दबाव पड़ रहा है।

एक प्रमुख ब्रोकरेज फर्म के शोध प्रमुख का कहना है कि विदेशी निवेशक बैंकिंग शेयरों पर सतर्कता बरत रहे हैं, जबकि एसएमसी कैपिटल के सिद्धार्थ पुरोहित का मानना है कि इंडसइंड बैंक और आरबीएल बैंक ज्यादा जोखिम के उदाहरण हैं। आरबीएल बैंक का ऋण भी परिसंपत्ति गुणवत्ता में कमजोरी से जुड़ा हुआ है।

निजी बैंक के बीच ध्रुवीकरण

कोरोनावायरस के डर से बैंक शेयरों में भारी गिरावट के कारण निजी क्षेत्र के शीर्ष बैंकों और छोटे बैंकों के मूल्यांकन में भारी अंतर पैदा हो गया है। हालांकि निजी क्षेत्र के बैंकों के बाजार पूंजीकरण में 20 फरवरी 2020 से बाजार में गिरावट शुरू होने के बाद अब तक औसतन 23.4 फीसदी की गिरावट आई है, लेकिन इस दौरान कई छोटे बैंकों को करीब एक तिहाई बाजार पूंजीकरण का झटका लगा है। आरबीएल बैंक को इस दौरान 47.2 फीसदी का झटका लगा। उसका बाजार पूंजीकरण 20 फरवरी को 15,700 करोड़ रुपये था जो घटकर 16 मार्च के बंद भाव के अनुसार 8,282 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर, इंडसइंड बैंकके बाजार पूंजीकरण में इस दौरान 44 फीसदी घटकर 46,000 रुपये रह गया जो करीब तीन सप्ताह पहले 82,000 करोड़ रुपये था। इस दौरान जिन अन्य बैंकों के बाजार पूंजीकरण में 30 फीसदी से अधिक का झटका लगा है उनमें बंधन बैंक, ऐक्सिस बैंक, आईडीएफसी बैंक, करूर वैश्य बैंक और कर्णाटक बैंक शामिल हैं। जबकि एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सिटी यूनियन बैंक और डीसीबी बैंक का प्रदर्शन अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले बेहतर रहा। इस अवधि में इन बैंकों के बाजार पूंजीकरण में 18 से 19 फीसदी की गिरावट आई। विश्लेषकों का कहना है कि इससे शीर्ष बैंकों औ अन्य बैंकों के बीच ध्रुवीकरण दिखेगा। शेयर मूल्य में भारी गिरावट के कारण कई छोटे बैंकों के लिए ताजा रकम जुटाना कठिन हो जाएगा। ऐसे में उनकी बाजार हिस्सेदारी खिसक सकती है। येस बैंक प्रकरण के कारण बैंकों के लिए अतिरिक्त टियर-1 पूंजी जुटाना पहले ही कठिन हो गया है। दोहरी मार के कारण बैंकों की पूंजी लागत बढ़ जाएगी जिससे उद्योग की वृद्धि प्रभावित हो सकती है। दिलचस्प है कि येस बैंक ने अपने बाजार पूंजीकरण में 5 फीसदी की वृद्धि के साथ इस अवधि में दमदार प्रदर्शन किया। *कृष्णकांत*

बैंक	वर्तमान बाजार पूंजीकरण (करोड़ रुपये में)	बाजार पूंजीकरण में अंतर (फीसदी में)*	मूल्य एवं बुक वैल्यू का अनुपात
एचडीएफसी बैंक	547,666.2	-17.9	3.5
कोटक महिंद्रा बैंक	264,677.6	-17.9	5.8
आईसीआईसीआई बैंक	260,755.8	-26.3	2.4
ऐक्सिस बैंक	143,640.4	-31.5	1.7
इंडसइंड बैंक	46,001.5	-43.9	1.4
बंधन बैंक	44,264.9	-33.9	3.2
सिटी यूनियन बैंक	13,288.8	-18.8	2.6
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	12,794.3	-33.7	0.8
फेडरल बैंक	12,594.1	-27.8	0.9
आरबीएल बैंक	8,282.9	-47.2	1.1
सभी निजी बैंक	1,409,909.8	-23.4	2.6

*20 फरवरी 2020 को बाजार में गिरावट शुरू होने के बाद बाजार पूंजीकरण में बदलाव।
नोटः प्राइस टु बुक वैल्यू 16 मार्च के बाजार पूंजीकरण के आधार पर। बैंकों की शुद्ध हैसियत 30 सितंबर 2019 के अंत के अनुसार।
स्रोतः कैपिटालाइन, संकलनः बीएस रिसर्च ब्यूरो

येस बैंक के पास पर्याप्त नकदी

पृष्ठ 1 का शेष...

रजनीश कुमार ने कहा, एक ही बार में पूरी पूंजी जुटाने के बजाय दो चरणों में इसे पूरा किया जा सकता है। 10 हजार करोड़ रुपये जुटाने से यह सुनिश्चित होगा कि बैंक पूंजी पर्याप्तता अनुपात के सभी मानकों को पूरा कर रहा है। प्रशांत कुमार ने कहा कि पहले दौर की फंडिंग से न्यूनतम नियामकीय जरूरतें पूरी होंगी और दूसरी किस्त से जुटाई गई पूंजी में से 80 फीसदी राशि को बैंक की वृद्धि पर इस्तेमाल किया जाएगा। पहले दौर की फंडिंग में एसबीआई ने येस बैंक में इक्विटी के रूप में 6,050 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक ने हजार-हजार करोड़ रुपये, ऐक्सिस बैंक ने 600 करोड़ रुपये और कोटक बैंक ने 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। फेडरल बैंक और आईडीएफसी बैंक ने तीन-तीन सौ करोड़ रुपये लगाए हैं। कोलकाता के बंधन बैंक ने 250 करोड़ रुपये का निवेश किया है। पुनर्गठन योजना के तहत इन बैंकों ने दो रुपये कीमत वाला शेयर दस रुपये में खरीदा है।

ऋण पर खड़ा कपूर का कारोबारी साम्राज्य

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 17 मार्च

येस बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक राणा कपूर और उनके परिवार की कंपनियों की भूलभुलैया, खासकर डूइट अर्बन वेंचर्स इन दिनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की गहन जांच के दायरे में है। सीबीआई का आरोप है कि डीएचएफएल के प्रवर्तक कपिल वधावन ने डूइट अर्बन वेंचर्स को बिल्डर ऋण के रूप में रिश्वत दी थी। इसके बदले येस बैंक ने लघु अवधि डिवेंचर में 3,700 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बिजनेस स्टैंडर्ड ने कंपनी रजिस्ट्रार के पास जमा दस्तावेज का अध्ययन किया जो एक दिलचस्प कहानी बयां करता है।

कंपनी रजिस्ट्रार के दस्तावेज से पता चलता है कि कंपनी आतिथ्य सेवा एवं बुनियादी ढांचा में अतिरिक्त कारोबार के साथ-साथ भारत और विदेश में जिंस कारोबार भी करती है। हाल के वर्षों में डूइट की किस्मत नाटकीय रूप से बदल गई। वर्ष 2018-19 में कंपन ने 59 करोड़ रुपये के राजस्व पर 48.76 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया जबकि 2017-19 में उसने 43 करोड़ रुपये के राजस्व पर महज 2.7 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। कंपनी रजिस्ट्रार के पास जमा कराए गए दस्तावेजों में कंपनी ने नुकसान को इस तरह जायज ठहराया है: कंपनी ने अपनी सहायक इकाइयों के जरिये आतिथ्य सेवा, बुनियादी ढांचा, पर्यटन आदि जैसे क्षेत्र के कारोबार में रणनीतिक गैर-चालू निवेश किया। इनमें से कुछ कारोबार फिलहाल आरंभिक चरण में हैं और उन्हें मुनाफा कमाने के लिए लंबी अवधि से गुजरना पड़ेगा और इसलिए 31 मार्च 2019 के अनुसार उनके वित्तीय नतीजों में उल्लेखनीय संचित घाटा दर्ज किया गया है।

अपनी सहायक इकाइयों में इस प्रकार के आक्रामक निवेश के लिए डूइट ने ऋण का इस्तेमाल किया जो पिछले वर्ष के मुकाबले 2018-19 में दोगुना वृद्धि के साथ 600 करोड़ रुपये हो गया। जांच एजेंसियों का कहना है कि डीएचएफएल ने डूइट को 600 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी जिसकी फिलहाल जांच चल रही है। कंपनी रजिस्ट्रार के पास जमा दस्तावेजों के अनुसार, डूइट की कुल देनदारी 2017-18 में महज 1.86 करोड़ रुपये (क्योंकि उसने कोई अन्य ऋण नहीं लिया था) थी जो बढ़कर अगले वित्त वर्ष में 415 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2018-19 में 602.57 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। परिणामस्वरूप इस दौरान कंपनी की ब्याज लागत 34 करोड़ रुपये से दोगुना वृद्धि के साथ 63 करोड़ रुपये हो गई।

आईटी फर्मों ने गंवाया बाजार पूंजीकरण

मांग में सुस्ती, आपूर्ति में अवरोध को इस बिकवाली की मुख्य वजह माना गया

देवाशिष महापात्र
बेंगलूरु, 17 मार्च

देश की तीन अग्रणी आईटी सेवा कंपनियों ने पिछले पखवाड़े संयुक्त रूप से करीब 31 अरब डॉलर का बाजार पूंजीकरण गंवा दिया क्योंकि कोरोनावायरस से शेयर बाजार का टूटना जारी रहा।

वायरस के वैश्विक प्रसार को देखते हुए बाजार पूंजीकरण में गिरावट भारत तक सीमित नहीं है क्योंकि आईबीएम, एक्सेंचर और डीएक्ससी टेक्नोलॉजी समेत सभी वैश्विक आईटी सेवा दिग्गज कंपनियों ने भी अपने-अपने बाजार पूंजीकरण में गिरावट दर्ज की।

2 मार्च से लेकर मंगलवार 17 मार्च तक देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में करीब 21 अरब डॉलर यानी 1.45 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई क्योंकि निवेशकों ने इस साल मांग सुस्त होने के अनुमान में पोजीशन की बिकवाली की।

इसी तरह देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में पिछले पखवाड़े करीब 7 अरब डॉलर यानी 70,000 करोड़ रुपये की कमी दर्ज हुई और उसका बाजार पूंजीकरण 2.36 लाख करोड़ रुपये रह गया। विप्रो की बात करें तो उसका बाजार पूंजीकरण करीब 3.7 अरब डॉलर यानी 26,000 करोड़ रुपये टूटकर मंगलवार को 98,902 करोड़ रुपये रह गया। वैश्विक स्तर पर स्थितियां अलग नहीं हैं। उदाहरण के लिए वैश्विक तकनीकी कंपनी डीएक्ससी टेक्नोलॉजी का बाजार पूंजीकरण घटकर करीब 3 अरब डॉलर के आसपास रहा। ह्यूलेट पैकर्ड के एंटरप्राइज सेवा कारोबार से अलग होने वाली आईटी सेवा कंपनी ने पिछले साल बाजार पूंजीकरण में गिरावट देखी थी, जो पिछले तीन महीने में तेज हो गई और सबसे ज्यादा गिरावट पिछले एक महीने में देखने को मिली। वैश्विक स्तर पर चौथी सबसे बड़ी आीटी सेवा कंपनी और सालाना 21 अरब डॉलर का राजस्व हासिल करने वाली कंपनी का बाजार पूंजीकरण घटकर एक चौथाी रह गया है।

पारिख कंसल्टिंग के संस्थापक और आईटी आउटसोर्सिंग सलाहकार पारिख जैन ने कहा, कोरोनावायरस के वैश्विक प्रसार के साथ आईटी उद्योग नकारात्मक बढ़त दर्ज कर सकता है, जिसकी रफ्तार इस साल करीब 5 फीसदी रहने का अनुमान था। अब उद्योग -5 से 5 फीसदी के दायरे में बढ़त दर्ज कर सकता है। इससे निवेशक निश्चित तौर पर हतोत्साहित हुए हैं।

वैश्विक रिसर्च फर्म गार्टनर के मुताबिक, आईटी पर वैश्विक खर्च साल 2020 में 3.7 फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि वायरस पर लगाम कसने के लिए बड़े देशों की तरफ से अपने प्रतिष्ठान बंद करने के उठाए जा रहे कदम के साथ मांग में सुस्ती अब वास्तविकता बन गई है। पारिख कंसल्टिंग के जैन ने कहा, तेल व गैस और ट्रैवल व हॉस्पिटैलिटी आईटी खर्च में करीब 40 फीसदी का योगदान करता है। ये क्षेत्र अब भारी अवरोध का सामना कर रहे हैं, लिहाजा बाजार पूंजीकरण में सुधार चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है।

एक नोट में वैश्विक कंसल्टिंग फर्म एवरेस्ट ग्रुप ने कहा है कि यह स्थिति जून 2020 तक बनी रह सकती है। आउटसोर्सिंग एडवाइजरी फर्म एवरेस्ट गग्रुप के संस्थापक व मुख्य कार्याधिकारी पीटर बेंडॉर-सैमुअल ने कहा, हमारा मानना है कि यह स्थिति एक तिमाही में मांग से जुड़े राजस्व की रफ्तार पर असर डालने जा रही है (जून तिमाही)। मांग में सुस्ती को देखते हुए सभी आईटी कंपनियां मौजूदा वर्ष में कीमत पर भारी दबाव का सामना करेंगी, चाहे कोरोनावायरस के प्रसार के कारण पैदा हुई स्थिति पर लगाम क्यों कसा जाता हो।

आईटी फर्म पहले ही बड़े सौदे हासिल करने में देरी का सामना कर रही हैं और रिपोर्ट बताती है कि इस महीने ही करीब 3-4 अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर को टाल दिया गया। पारिख कंसल्टिंग के जैन ने कहा, अगर आगामी तिमाहियों में मांग व आपूर्ति में सुधार होता है तो बाजार पूंजीकरण बढ़ जाएगा। लेकिन यह वायरस पर लगाम कसे जाने पर निर्भर होगा।

मूल्यांकन पर चोट

- एक पखवाड़े में टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में करीब 21 अरब डॉलर यानी 1.45 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई
- इस अवधि में इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में 7 अरब डॉलर यानी 70,000 करोड़ रुपये की कमी दर्ज हुई
- विप्रो का बाजार पूंजीकरण करीब 3.7 अरब डॉलर यानी 26,000 करोड़ रुपये टूटकर मंगलवार को 98,902 करोड़ रुपये रह गया

मार्च तिमाही में विप्रो पर नहीं पड़ेगा कोरोना संबंधी असर

बीएस संवाददाता
मुंबई, 17 मार्च

आईटी सेवा कंपनी विप्रो के मार्च तिमाही के प्रदर्शन पर विश्वव्यापी महामारी कोरोनावायरस का असर शायद नहीं पड़ेगा। ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में कंपनी के राजस्व की रफ्तार 0-2 फीसदी के अनुमानित दायरे में रहेगी क्योंकि मौजूदा कारोबार से जुड़ा खाताबही अप्रभावित रहने की संभावना है।

हालांकि वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही में सुस्ती देखने को मिल सकती है क्योंकि क्लाइंटों की तरफ से खर्च में नरमी के कारण नए कारोबार पर प्रभाव पड़ने का पूर्व अनुमान है, जो राजस्व में बढ़ोतरी करता। रिपोर्ट में कहा गया है, हमें लग रहा है कि वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही के लिए राजस्व का अनुमान संभावित तौर पर -2 से 0 फीसदी के दायरे में रह सकता है क्योंकि कोरोनावायरस का असर बढ़ेगा, जो सीजन के लिहाज से हालांकि कंपनी के लिए सबसे सुस्त तिमाही होता है।

मंदी या अनिश्चित कारोबारी माहौल के दौरान क्लाइंटों की तरफ से खर्च मोटे तौर पर कम होता है क्योंकि ऐसे खर्च मोटे तौर पर क्लाइंटों के स्वविवेक पर निर्भर होते हैं। लेकिन ऐसे खर्च सामान्यत: कायापलट वाली बड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, विप्रो के प्रमुख कारोबारी क्षेत्र मसलन विनिर्माण व संचार समेत अन्य क्षेत्र ने बढ़त की झलक दिखाई है। खास तौर से संचार क्षेत्र की रफ्तार बेहतर रही है क्योंकि देसी कारोबार से काफी कम झटका मिला है।

विनिर्माण अन्य कारोबारी क्षेत्र है जो निकट भविष्य में बेहतर रह सकता है। वित्त वर्ष 2020 की तीसरी तिमाही में इस क्षेत्र के राजस्व की रफ्तार क्रमिक आधार पर स्थायी मुद्रा में 4.4 फीसदी रही है। लेकिन बैंकिंग व वित्तीय सेवाओं (बीएफएस) में नए सौदे हासिल करने की कंपनी की आकांक्षा पर अस्थायी असर पड़ा है क्योंकि वायरस के प्रसार के कारण यात्रा पर पाबंदी लगा दी गई है। बीएफएस राजस्व चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में सुस्त रहने के बाद बेहतर स्थिति में है, खास तौर से अमेरिका में जबकि यूरोप पर दबाव बना हुआ है। विप्रो के कुल राजस्व में बीएफएस की हिस्सेदारी करीब एक तिहाई है।

चौथी तिमाही में कंपनी के राजस्व की रफ्तार 0-2 फीसदी के अनुमानित दायरे में रहेगी

ज़ी एंटरटेनमेंट का शेयर 20 फीसदी टूटा

विवेट सुजन पिंटो
मुंबई, 17 मार्च

ज़ी एंटरटेनमेंट का शेयर मंगलवार को 20 फीसदी टूट गया। यह उस घटनाक्रम के एक दिन बाद हुआ जब एस्सेल समूह के प्रवर्तक सुभाष चंद्रा को येस बैंक की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय ने समन भेजा। चंद्रा बुधवार को ईडी के आधिकारियों से मिलेंगे, जिसकी पुष्टि एस्सेल समूह ने की।

मंगलवार को जारी बयान में ज़ी ने स्पष्ट किया कि उसने येस बैंक से कोई उधारी नहीं ली है। ज़ी ने कहा, एस्सेल समूह की सूचना के मुताबिक उधारी की सुविधा इन्फ्रा कारोबार के लिए ली गई थी, जो पूरी तरह सुरक्षित है। मीडिया कंपनी का शेयर बीएसई पर 133.20 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ, जो सात साल का निचला स्तर है। बीएसई पर यह लगातार चौथे कारोबारी सत्र में टूटा।

कैलेंडर वर्ष 2020 में ज़ी का शेयर 50 फीसदी से ज्यादा टूटा है जबकि साल के शुरू में यह 292 रुपये के स्तर पर था। यह इस अवधि में बेंचमार्क सेंसेक्स में 23 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

चंद्रा के अलावा जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल, कॉक्स ऐंड किंग्स के प्रवर्तक पीटर केरकर, दीवान हाउसिंग के कपिल वधावन और कुछ अन्य को येस बैंक की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए बुलाया जा चुका है।

कहा जाता है कि एस्सेल समूह की 16 कंपनियों ने संयुक्त रूप से येस बैंक से 8,415 करोड़ रुपये उधार लिए हैं। इसमें से कुछ कर्ज एनपीए हो गए।

मनीष बने एम्फैसिस के सीएफओ : सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एम्फैसिस ने मनीष डुगर को मुख्य वित्तीय अधिकारी बनाने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि यह नियुक्ति 15 मई से प्रभावी होगी। वी. सूर्यनारायणन 14 मई तक सीएफओ पद पर बने रहेंगे। वह अक्टूबर 2020 में सेवानिवृत्त होने तक डुगर को कार्यभार संभालने में मदद करेंगे। *भाषा*

टिकाऊ उपभोक्ता क्षेत्र के लिए साल रहेगा चुनौतीपूर्ण

अर्णव दत्ता
नई दिल्ली, 17 मार्च

जहां 2019 देश में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक और अप्लायंसेज की निर्माता कंपनियों के लिए उम्मीद का वर्ष रहा था, वहीं चालू वर्ष में हालात अब प्रतिकूल हो गए हैं। जहां बढ़ते कराधान से आपूर्ति एवं मांग में समस्या पैदा हुई है, वहीं कई कारकों से इस क्षेत्र की संभावनाएं धूमिल हई हैं। कोरोनावायरस की महामारी अब पूरे देश में अपना प्रभाव डाल रही है जिससे उपभोक्ता बाजार पर दबाव दिख रहा है। निर्माता अब अनिश्चित भविष्य की आशंका देख रहे हैं। चूंकि लोग सार्वजनिक स्थानों और बाजारों से दूरी बना रहे हैं जिससे एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटरों जैसे बड़े उपकरणों के लिए मांग प्रभावित हो सकती है। पारंपरिक रूप से, केरल और तमिलनाडु में गर्मियां शुरू होने के साथ फरवरी तक एसी और रेफ्रिजरेटरों की बिक्री शुरू हो जाती है। लेकिन कारोबार बंद रखे जाने से ये दक्षिण राज्य इस साल प्रभावित हुए हैं।

एसी की 50 प्रतिशत बिक्री फरवरी के मध्य से लेकर जुलाई तक होती है, लेकिन इस बार गर्मियां देर से शुरू होने की वजह से बिक्री पर दबाव पड़ सकता है।

दाइकिन इंडिया के प्रबंध निदेशक कंवलजीत जावा के अनुसार, हालांकि उनकी कंपनी चीन से आपूर्ति दबाव को झेलने में काफी हद तक सक्षम है, क्योंकि उसका निर्माण आधार इंडोनेशिया में है, लेकिन कोविड-19 महामारी का प्रभाव अल्पावधि में दिख सकता है। उन्होंने कहा, 'इस महामारी का आने वाले महीनों में संपूर्ण व्यावसायिक परिवेश पर प्रभाव पड़ेगा।'

ब्लू स्टार के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने कहा कि इसे लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि इस साल एसी बाजार पर इन कारकों का कितना प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'यदि चीन इस महामारी को नियंत्रित करने में विफल रहता है तो हमें माल की कमी से जूझना पड़ेगा।' कैरियर मीडिया के प्रबंध निदेशक कृष्ण सचदेव ने कहा, 'हालांकि हमें चीन से खेपें मिलनी शुरू हो गई हैं, लेकिन बाजार में ग्राहकों की कम आवक निश्चित तौर पर चिंताजनक है। यदि यह रुझान मध्य अप्रैल के बाद भी बना रहा तो सालाना बिक्री प्रभावित होगी।' सुपरप्लास्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (एसपीपीएल) के मुख्य कार्याधिकारी अवनीत सिंह मारवाह के अनुसार, मौजूदा संकट से राजस्व को बड़ा नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, 'कलपुर्जे 25 से 50 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं जिससे कीमतें बढ़ाने को बाध्य होना पड़ रहा है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को आगे बढ़ाए जाने से भी इस क्षेत्र में उपभोक्ता धारणा बुरी तरह से प्रभावित हुई है।'

इस क्षेत्र के विश्लेषकों का कहना है कि बिक्री पर दबाव पहली बार नहीं देखा गया है। इस क्षेत्र की कंपनियों को जीएसटी के संदर्भ में ऊंचे कराधान और कच्चे माल की कीमतें बढ़ने की वजह से 2017 और 2018 में लगातार दो वर्षों तक बिक्री बढ़ाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। लेकिन पिछले साल एसी, रेफ्रिजरेटर, टीवी और वाशिंग मशीन जैसी कई प्रमुख श्रेणियों में बिक्री में दो अंक तक का इजाफा दर्ज किया गया।

कोरोनावायरस की मार

- कोरोनावायरस के प्रसार और ऊंचे करों से इस साल बाजार धारणा प्रभावित हो सकती है
- कंज्यूमर अप्लायंसेज और इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार वर्ष 2020 में 95,200 करोड़ रुपये के अनुमान से नीचे रह सकता है
- 2019 में इस बाजार ने 85,300 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ था, जो 2018 के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा है
- 16,300 करोड़ रुपये का एसी बाजार भी 2020 में 18,700 करोड़ रुपये के अनुमान से नीचे रह सकता है

आईटीसी के कर्मचारी घर से काम करेंगे

कंपनी ने कोरोनावायरस के फैलने के मद्देनजर महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली एनसीआर और बेंगलूरु में अपने कर्मचारियों को घर से काम करने का निर्देश दिया

अभिषेक रक्षित
कोलकाता, 17 मार्च

सिगरेट से लेकर होटल क्षेत्र की दिग्गज कंपनी आईटीसी ने कोरोनावायरस प्रभावित क्षेत्रों में अपने कर्मचारियों को घर से काम करने का निर्देश दिया है। साथ ही कंपनी इस परिस्थिति से निपटने के लिए जल्द से जल्द एक आपात योजना तैयार कर रही है।

आईटीसी के प्रवक्ता ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, 'महाराष्ट्र एवं केरल के कुछ भागों में और दिल्ली एनसीआर एवं बेंगलूरु के कार्यालयों को जल्द से जल्द एक आपात योजना तैयार करने और उसे लागू करने की सलाह दी गई है जिसमें घर से काम करने की व्यवस्था भी शामिल है।' आईटीसी के कर्मचारियों की संख्या 27,000 से अधिक है। हालांकि कोलकाता में कंपनी के मुख्यालय में काम करने वाले कर्मचारी दफ्तर आ रहे हैं लेकिन कार्यालय परिसर से बाहर के लोगों को फिलहाल अंदर जाने की अनुमति नहीं है।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 'आईटीसी के कर्मचारियों को छोड़कर किसी बाहरी आगंतुक को सुरक्षा कारणों से अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। टेलीकॉन्फ्रेंसिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को हरसंभव बढ़ावा दिया जा रहा है।'

कंपनी ने एक यात्रा परामर्श जारी किया गया है जिसके तहत कंपनी के कामकाज के सिलसिले में विदेश यात्रा पर अगली सूचना तक पाबंदी लगा दी गई है जबकि जरूरी न हो तो घरेलू यात्रा से भी बचने की सलाह दी गई है। कार्यालय में प्रमुख जगहों पर सैनिटाइजर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

इससे पहले आईटीसी ने अपनी कारोबारी इकाइयों को विशेष परामर्श जारी किया था जिसके तहत कारोबार से संबंधित विशेष दिशानिर्देश दिए गए थे। किसी भी आपात स्थिति में भी कारोबार जारी रखने के लिए योजना तैयार की जा रही है। कंपनी ने सभी कारोबारी इकाइयों को आपात प्रबंधन टीम तैयार करने का सुझाव दिया है।

प्रवक्ता ने कहा, 'हम देश भर में अपने कारोबार पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। कंपनी के लिए अपने कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोपरि है।' सुरक्षात्मक उपायों के तहत खासकर भीड़भाड़ से बचने, व्यक्तिगत साफसफाई, कार्यालयों और घरों में स्वच्छता पर जोर दिया जा रहा है।

देसी उद्योग जगत में विलय-अधिग्रहण को झटका

खरीदार मौजूदा संकट का फायदा उठाते हुए कम मूल्यांकन पर दे सकते हैं जोर

देव चटर्जी
मुंबई, 17 मार्च

कोरोनावायरस ने भारतीय कंपनियों के विलय और अधिग्रहण योजनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। बाजार बुरी तरह गिरा हुआ है जिससे अधिकतर कंपनियों का मूल्यांकन को भी झटका लगा है। बैंकरों का कहना है कि दुनिया भर में उड़ानों पर प्रतिबंध लगा है और विदेश यात्रा से लौटे लोगों को अलग-थलग रखा जा रहा है। ऐसे में भारतीय कंपनियां भी रकम जुटाने की अपनी बड़ी योजनाओं को फिलहाल टाल रही हैं।

बैंकरों का कहना है कि भारत में कई बड़े अधिग्रहण के अवसर आ रहे हैं। इनमें भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) में केंद्र सरकार द्वारा 50 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री, एयर इंडिया में 100 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री और रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) द्वारा अपने रिफाइनिंग एवं पेट्रोरसायन कारोबार में हिस्सेदारी की बिक्री सऊदी अरामको को करना शामिल है। बीपीसीएल की विनिवेश प्रक्रिया के करीबी एक बैंकर ने कहा, 'इन सौदों के तहत अरबों डॉलर का सीमापार लेनदेन होना है। इस लिहाज से कोरोना वैश्विक महामारी गलत समय में फैली है और इससे इन सौदों में देरी हो सकती है।'

बड़े अधिग्रहण सौदों के अलावा कई ऐसी बिजली परियोजनाएं हैं जिनकी बिक्री भारतीय बैंकों द्वारा की जा रही है। इन परियोजनाओं के खरीदार भी विदेश से रकम जुटाने की योजना बना रहे हैं। कई कंपनियों की शुरुआती शेयर बिक्री योजनाओं को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। एक प्रमुख कारोबारी समूह के दो शीर्ष अधिकारियों के पिछले सप्ताह लंदन से लौटने के बाद उन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप अलग-थलग रखा गया जिससे बैंकर भी चिंतित हो गए हैं।

कारोबार में उथल-पुथल के कारण कंपनी की वित्तीय स्थिति प्रभावित होने से भी विलय-अधिग्रहण की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। खेतान ऐंड कंपनी के पार्टनर रवींद्र झुनझुनवाला और समीर साह ने कहा, 'हालांकि यह देखना मददगार साबित होगा कि ये तात्कालिक आंतरिक समस्याएं हैं अथवा दीर्घकालिक प्रणालीगत समस्याएं जिनके समाधान के लिए लगातार ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।'

मूल्यांकन को तगड़ा झटका लगेगा और कंपनियों को अवश्य तैयार रहना चाहिए क्योंकि खरीदार अब कम मूल्यांकन पर जोर देंगे। झुनझुनवाला ने कहा, 'भारतीय कारोबारी समूह मुख्य तौर पर परिवारों के स्वामित्व वाले हैं और उन्हें कम मूल्यांकन के लिए अवश्य तैयार रहना होगा। उचित मूल्य पर सौदा पूरा करने के लिए विश्वास और भरोसे के लिहाज से यह सबसे अच्छा समय हो सकता है।'

प्रमुख सौदे

- आरआईएल के रिफाइनिंग एवं पेट्रोरसायन कारोबार में 20 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री
- जियो टावर/फाइबर परिसंपत्तियों को अलग करना
- बीपीसीएल में केंद्र सरकार द्वारा 53 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री
- एयर इंडिया में 100 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री
- पंजाब में जीवीके की बिजली परियोजना की डॉयचे बैंक को बिक्री

ईरान से आ रहा जहाज समुद्र में अटका

अदिति दिवेकर
मुंबई, 17 मार्च

देश के विभिन्न राज्य कोरोनावायरस से संक्रमित लोगों के पृथक्करण में लगे हुए हैं, वहीं देश के सबसे बड़े कंटेनर पोर्ट जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) ने 'द मून' को समुद्र में रोक रखा है।

ईरान से आ रहे तुकी और भारत के क्रू वाले जहाज को अलग रखा गया है।

बंदरगाह के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम न दिए जाने की शर्त पर बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, 'क्रू के तुर्की सदस्य लंबे समय से ईरान के स्थानीय नागरिकों के साथ रहे हैं। इसे देखते हुए पोर्ट ने इस जहाज को 14 दिन से अलग रखा है, जो अवधि आज (16 मार्च) को पूरी हो रही है। अब एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। उसके बाद पोर्ट के स्वास्थ्य अधिकारी इसकी समीक्षा करेंगे और पूरी प्रक्रिया होने के बाद इस जहाज को गोदी में लाया जाएगा।' इस जहाज में तरल अमोनिया आ रहा है।

पश्चिम एशिया में कोरोनावायरस से प्रभावित देशों में ईरान में सबसे ज्यादा मरीज पाए गए हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन से इतर कोविड-19 से प्रभावित देशों में ईरान सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है।

समुद्र में अटका द मून

- ईरान से तरल अमोनिया लेकर आ रहे जहाज 'द मून' को समुद्र में ही रोक लिया गया है
- इसके भारतीय व तुर्की क्रू मेंबर्स की हो रही है स्वास्थ्य जांच
- चीन के बाद सबसे ज्यादा कोरोना प्रभावित देशों में शामिल है ईरान
- हर तरह की पुख्ता पड़ताल करने के बाद ही आने देंगे जहाज, तय नहीं कि कितना वक्त लगेगा

अधिकारी ने कहा, 'हमने कोई समयसीमा नहीं दी है कि कब उस जहाज को माल उतारने के लिए बंदरगाह पर लाया जाएगा। यह सबकुछ रिपोर्टों व कुछ अन्य मंजूरियों पर निर्भर होगा।'

जेएनपीटी की क्षमता 75 लाख टीईयू की है, जिसमें जवाहरलाल नेहरू पोर्ट कंटेनर टर्मिनल (जेएनपीसीटी), एपीएम टर्मिनल का गेटवे टर्मिनल्र्स इंडिया (जीटीआई), डीपी वर्ल्ड (दो टर्मिनल) और पीएसए इंटरनैशनल शामिल हैं।

जबसे यह संकट पैदा हुआ है तबसे लेकर 16 मार्च तक बंदरगाह 5 कंटेनर वेसेल तय कार्यक्रम से चूके हैं। इसका मतलब यह है कि एक बार जब स्थिति सामान्य हो जाएगी, बंदरगाह पर जहाजों की भीड़ जमा हो जाएगी। बंदरगाह अपने टर्मिनलों पर हर महीने औसतन 125 खेप मंगाता है। 5 जहाजों के चूकने का मतलब हुआ कि हर सप्ताह के एक खास दिन करीब 20 खेपें रद्द हुई हैं। जेएनपीटी के अधिकारियों ने कहा कि बाद में अतिरिक्त बोझ बढ़ने को लेकर उन्हें कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारा उपयोग करीब 51.3 लाख टीईयू का है। यह स्थापित क्षमता 75 लाख टीईयू से बहुत कम है। इसलिए अगर बंदरगाह पर बाद में आवाजाही बढ़ती भी है तो जेएनपीटी उन्हें संभाल लेगा। इस मामले में पर्याप्त संभावना है।'

जेएनपीटी पर ज्यादातर कंटेनर वेसेल चीन होकर आते हैं। माना जा रहा है कि यह वायरस चीन के वुहान शहर में पैदा हुआ है। इसकी वजह से बंदरगाह के कारोबार पर भी बहुत असर पड़ा है।

एक सीमा शुल्क अधिकारी ने नाम न दिए जाने की शर्त पर बताया, 'जेएनपीटी पर करीब हर चीज चीन होकर आती है। इसकी वजह से सीमा शुल्क विभाग की तरफ से पिछले कुछ सप्ताहों से कोई काम नहीं हो रहा है। सब कुछ ठहर गया है।' बहरहाल बंदरगाह के अधिकारियों ने आवाजागी का विस्तृत ब्योरा देने से इनकार किया है। बंदरगाह के यातायात विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'कोई जरूरी नहीं है कि जेएनपीटी पर आवाजाही कोरोनावायरस की वजह से कम हुई हो। यह चीन में नए साल की वजह से होने वाली छुट्टियों के कारण भी हो सकती है।'

फरवरी के लिए बंदरगाह के कंटेनर ट्रैफिक आकड़ों के मुताबिक इस महीने में 4,16,523 टीईयू हैंडलिंग हुई, जो जनवरी के 4,26,131 टीईयू से 0.88 प्रतिशत कम है। अनुमान लगाया जा रहा है कि वायरस संकट से इसका 15-20 प्रतिशत कारोबार प्रभावित होगा।

एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंटों ने मांगी राहत

अनीश फडणीस
मुंबई, 17 मार्च

भारत में परिचालन कर रहीं इंटरनैशनल एयरलाइंस ने एयरपोर्ट शुल्क में 30 प्रतिशत छूट की मांग की है। वहीं ट्रैवल एजेंटों ने उड्डयन और पर्यटन क्षेत्रों की मदद के लिए कर छूट और ब्याज दरों में कटौती की मांग की है। यह दोनों क्षेत्र कोरोनावायरस की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

वैश्विक रूप से विमानन कंपनियों ने अपने विमान खड़े कर दिए हैं और उड़ाने घटाई हैं क्योंकि सरकारों ने कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए वीजा रद्द कर दिए हैं और यात्राओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। एविएशन कंसल्टेंसी सीएपीए का अनुमान है कि ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस मई तक दिवालिया हो जाएंगी क्योंकि यात्रा पर प्रतिबंध लगने से उनका नकदी प्रवाह रुक गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय को लिखे पत्र में बोर्ड आफ एयरलाइंस रिप्रजेंटेटिव के चेयरमैन रवि बोर्डे ने कहा है, 'यात्रियों की उड़ान में उल्लेखनीय कमी आई है, जिसकी वजह से सभी विमानन कंपनियों की नकदी प्रभावित हुई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने अपील की है कि कंपनियां टिकट रद्द करने का शुल्क काटे बगैर पैसे वापस करें।' अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर परिचालन करने वाली एयरलाइंस की मांग है कि 6 महीने के लिए एयरोनॉटिकल शुल्क में 30 प्रतिशत की कमी की जाए। बोर्डे ने कहा कि अगर इसमें कमी लाई जाती है तो एयरलाइंस को कम सीट भरे भी परिचालन में मदद मिलेगी।

वहीं विभिन्न ट्रैवल और टूरिज्म संगठनों के प्रतिनिधियों ने आज पर्यटन मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल से मुलाकात कर वस्तु एवं सेवाकर से छूट, कर्ज के पुनर्भुगतान में छूट, ब्याज दरें कम किए जाने, परमिट और लाइसेंस के नवीकरण पर शुल्क खत्म किए जाने की मांग की।

ट्रैवल एजेंटों ने विदेश यात्रा की बुकिंग पर 5 प्रतिशत आयकर लगाने के बजट के प्रस्ताव पर भी छूट की मांग की है। स्टिक ट्रैवल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष गोयल ने कहा, 'हमने पर्यटन उद्योग के लिए बेल आउट पैकेज की मांग की है, जो संकट से जूझ रहा है। तमाम ट्रैवल एजेंटों के पास वेतन भुगतान और किस्त चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं। सरकार ने हमारी मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया है।'

बड़े पैमाने पर रद्द हो रही बुकिंग

अनीश फडणीस और नेहा अलावधी
नई दिल्ली, 17 मार्च

कोविड-19 के कारण बड़े पैमाने पर लोग अपनी यात्रा योजनाएं रद्द कर रहे हैं। उन्हें अपने रिफंड लेने में खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। मंगलवार को एक ट्विटर यूजर ने लिखा, 'मैं मेकमाईट्रिप को एक दिन से ज्यादा समय से फोन, ई-मेल, ट्वीट और डीएम के माध्यम से संपर्क करने की कवायद कर रहा हूं। ऐसे समय में, जब हर कोई सुरक्षित रहना चाह रहा है, मेक माई ट्रिप रिफंड देने और यात्रा में बदलाव करने से इनकार कर यह सुनिश्चित करने की कवायद कर रहा है कि सुरक्षा की एक 'कीमत' होती है। दयनीय स्थिति है।' वहीं भारत और अमेरिका के बीच यात्रा प्रतिबंधित होने के कारण यात्रा रद्द करने वाले एक और यूजर ने यात्रा डॉट कॉम को जवाब में लिखा है, 'यात्रा रद्द करने पर पैसे काटने की आपकी हिम्मत कैसे हुई, जो मेरे हाथ में नहीं है? या तो मुझे पूरे पैसे वापस करो, या मेरी उड़ान की तिथि में बदलाव करो।'

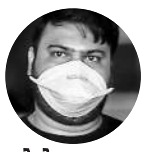

कोरोनावायरस का कहर

ट्विटर, फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया पर इस समय इस तरह की शिकायतों की ढेर लगी है। वहीं ट्रैवल एजेंसियों व एयरलाइंस को इस तरह की शिकायतों की बाढ़ से जूझना पड़ रहा है। शिकायतें बड़ी संख्या में आ रही हैं, जिसकी वजह से उन्हें हर ग्राहक तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। तमाम ग्राहकों को निरस्त करने व रिफंड की प्रक्रिया में तकनीकी समस्याएं आ रही हैं।

मेक माई ट्रिप के समूह कार्यकारी चेयरमैन दीप कालरा और ग्रुप सीईओ राजेश मागोव ने ग्राहकों को पत्र में लिखा है, 'हमारी सपोर्ट टीम 24 घंटे काम कर रही है और सरकार व सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरणों की ओर से दी जा रही अद्यतन जानकारियों पर नजर बनाए हुए है और उसके मुताबिक हम आपको बेहतर सेवाएं देने की कवायद कर रहे हैं। हम एयरलाइंस व होटल साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे तिथि में बदलाव, यात्रा रद्द करने और छूट से जुड़े मसलों का समाधान किया जा सके।'

कुछ लोगों ने तकनीकी समस्याएं भी उठाई हैं, जिसकी वजह से रिफंड नहीं मिल रहा है और बुकिंग रद्द नहीं हो पा रही है। वहीं भारत व अन्य देश रोजाना सीमाएं बंद कर रहे हैं। इसमें एयरलाइंस व होटलों से रिफंड न मिलने, सेवा शुल्क लेने जैसी समस्याएं शामिल हैं।

यात्रा डॉट कॉम के प्रवक्ता ने कहा, 'उन ग्राहकों के अनुरोध व उनकी समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता मं है, जो अगले 24 से 48 घंटे में यात्रा करने वाले हैं और उन्होंने रिफंड की पहल की है। हमने ट्रिप प्रोटेक शन प्लान भी शुरू की है, जिसके तहत यात्रा रद्द करने वाले ग्राहक रिफंड पा सकते हैं। अगर हमारे ग्राहक यात्रा को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें यात्रा की तिथि टालने और वैकल्पिक तिथि पर बुकिंग में मदद कर रहे हैं।'

इंडिगो एयरलाइंस ने कहा है कि बुकिंग रद्द करने के लिए पूछताछ करने वालों की संख्या 500 प्रतिशत बढ़ी है। इसके अलावा कंपनी की वेबसाइट पर अद्यतन जानकारियां हासिल करने वालों की संख्या बहुत बढ़ी है और इंडिगो ने ग्राहकों से अनुरोध किया है कि अगर उनकी यात्रा 2 सप्ताह बाद है तो वे पहले की बुकिंग तिथि वालों को सेवाएं प्रदान करने दें। कंपनी ने कहा है कि अगर 2 सप्ताह के भीतर उड़ान है तो ग्राहक 9910383838 पर बात करें या कंज्यूमर डॉट रिलेशंस ऐट द रेट गो इंडिगो डॉट इन पर मेल करें।

सरकारी बैंकों के विलय की प्रक्रिया में घुसा कोरोना

नम्रता आचार्य और अभिजित लेले
कोलकाता/मुंबई, 17 मार्च

सरकारी बैंक विलय की प्रक्रिया 1 अप्रैल तक पूरी करने की हर संभव कवायद कर रहे हैं, वहीं कोरोनावायरस ने उनकी तैयारियों में व्यवधान डाल दिया है।

विलय होने जा रहे बैंकों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण का सत्र इस सप्ताह होना है। बैंकों के मुताबिक या तो उन सत्रों को रोक दिया गया है, या तो क्लासरूप सत्र की जगह ई-लर्निंग का विकल्प अपनाया जा रहा है।

बहरहाल जो कार्यक्रम लोगों के एकत्र होने से संबंधित हैं, जैसे ग्राहकों से बातचीत का कार्यक्रम, उन्हें रोक दिया गया है।

इलाहाबाद बैंक का विलय इंडियन बैंक में होना है। इलाहाबाद बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिए जाने का कार्यक्रम इस सप्ताह चेन्नई में होना था, अब यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगा। बहरहाल ग्रामीण शाखाओं में, जहां बैंकों में ऐसी सुविधा नहीं है, वहां संचार के तरीके के बारे में अभी फैसला किया जाना बाकी है। बैंक अपने कर्मचारियों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाएंगे।

इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) पद्मजा चुंद्रू इलाहाबाद बैंक के ग्राहकों से मुलाकात करने कोलकाता आने वाली थीं, उन्होंने अपनी यात्रा का कार्यक्रम सरकार के परामर्श के बाद टाल दिया है।

विलय के लिए प्रस्तावित एक बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'उम्मीद है कि अगले 2 सप्ताह में कोरोनावायरस का प्रसार रुक जाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो इस पर फैसला करना सरकार पर निर्भर है।'

चित्रांकन : अजय मोहंती

यूनियन बैंक के साथ विलय होने जा रहे कॉर्पोरेशन बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बैंक से प्रशिक्षण कार्यक्रम और जुटान रद्द करने को कहा गया है, जिनमें विलय से जुड़े व नियमित बैठकें दोनों ही शामिल हैं। अब वेब आधारित प्रशिक्षण और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अहम हो गया है। यहां तक कि सीईओ, कार्यकारी निदेशकों व महाप्रबंधकों को भी यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

बैंक के सर्वर सेंट्रलाइज्ड हैं, ऐसे में ज्यादातर कर्मचारियों के पास घर से काम करने का विकल्प नहीं है। यूनियन बैंक आफ इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'कोरोनावायरस के डर ने सभी योजनाएं पटरी से उतार दी है। खासकर कर्मचारियों का प्रशिक्षण नहीं हो सकता क्योंकि बड़े पैमाने पर लोगों के एकत्र होने की मनाही है। बैंकिंग में बहुत ज्यादा सुरक्षा जुड़ी होती है और इस तरह से घर से काम करना व्यावहारिक नहीं है।'

यूनाइटेड बैंक और ओरिएंटल बैंक आफ कॉमर्स के 40,000 कर्मचारियों का विलय के पहले प्रशिक्षण होना है। इन दोनों का विलय पंजाब नैशनल बैंक में होना है। केनरा बैंक के साथ विलय को प्रस्तावित सिंडिकेट बैंक भी आमने सामने बात की जगह ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र पर विचार कर रहा है। सिंडिकेट बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'घरेलू यात्राओं को लेकर भी तमाम राज्यों ने परामर्श जारी किया है। परिणामस्वरूप हम डिजिटल प्रशिक्षण का विकल्प अपना रहे हैं। तमाम संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों को टाल दिया गया है। बैंक बैलेंस सीट के विलय के लि तैयार हैं। बहरहाल इस पर सरकार को फैसला करना है।'

कंपनी विधेयक लोकसभा में

रुचिका चित्रवंशी और संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 17 मार्च

सरकार ने आज लोकसभा में कंपनी संशोधन विधेयक 2020 पेश किया। इस विधेयक में प्रक्रियागत और तकनीकी चूकों को गैर आपराधिक बनाने और विदेश में भारतीय कंपनियों की ओर से प्रतिभूतियों को सीधे सूचीबद्ध करने सहित कानून में कई बदलावों का प्रस्ताव किया गया है।

विधेयक में निगमीकरण, पंजीयन, एकीकरण और उत्पादक कंपनियों के विलय और कार्य प्रणाली के लिए भी नियम बनाए गए हैं। इसके अलावा अंतर्राज्यीय सहकारी संस्थाओं को उत्पादक कंपनियों में बदलने का रास्ता निकाला गया है।

कानून में प्रस्तावित संशोधन किसान-उत्पादक कंपनियों की कार्यप्रणाली को सरल एवं कारगर बनाने के लिए लक्ष्य के अनुरूप है ताकि अगले पांच वर्षों में 10,000 नए एफपीओ लाने का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

उत्पादक कंपनियों के दायरे में कई गतिविधियों को शामिल किया गया है जिसमें प्राथमिक उत्पादकों विशेष तौर पर किसानों को जरूरत पड़ने पर धन मुहैया कराना भी शामिल है।

बीएस सूडोकू 3691

	8	9		3		4		
				4		8	3	
					6			
		2				5		
3	6	1	9					
	4					3		
		6					7	
9		8	3	7	2			
	3		5			2		

परिणाम संख्या 3690

8	9	4	7	3	2	5	1	6
5	1	7	8	4	6	3	9	2
2	3	6	9	5	1	7	4	8
6	8	1	3	2	5	4	7	9
4	7	9	1	6	8	2	5	3
3	5	2	4	9	7	6	8	1
9	2	5	6	1	4	8	3	7
7	4	3	2	8	9	1	6	5
1	6	8	5	7	3	9	2	4

कैसे खेलें?
हर रो, कॉलम और 3 बाई 3 के बॉक्स में एक से लेकर नौ तक की संख्या भरें।

आसान
★★☆☆☆

बिज़नेस स्टैंडर्ड
वर्ष 13 अंक 26

नियामकीय कमी

जब येस बैंक के कामकाज पर लगाया गया प्रतिबंध हटाया जाएगा तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को हाल के समय की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक से गुजरना होगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को जमाकर्ताओं की चिंताओं का निराकरण करके और उनसे हड़बड़ी में पैसा नहीं निकालने का आग्रह करके अच्छा किया। येस बैंक के प्रशासकों ने भी मंगलवार को जमाकर्ताओं को आश्वस्त किया कि बैंक के पास पर्याप्त नकदी है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त नकदी की व्यवस्था की जा सकती है। बैंक ने कहा कि उसकी सभी शाखाओं और एटीएम में जरूरत के मुताबिक नकदी मौजूद है। मंगलवार शाम छह बजे प्रतिबंध समाप्त होने के पहले ये घोषणाएं राहत देने वाली हैं। इससे यह आशा जगी है कि नियामक बैंक के जमाकर्ताओं में कुछ हद तक भरोसा बहाल करने में कामयाब रहा है।

परंतु आने वाले दिनों में बैंकिंग नियामक और सरकार को कई सवालों के जवाब देने होंगे। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि नियामक ने हालात इतने खराब क्यों होने दिए कि सामान्य बैंकिंग गतिविधियों को स्थगित करना पड़ा, जमाकर्ताओं को भारी असुविधा हुई और बैंक को संकट से उबारना पड़ा। येस बैंक दरअसल एक ऐसी दुर्घटना थी जिसे घटित होना ही था। उदाहरण के लिए वित्त वर्ष 2014 से 2019 के बीच बैंक के अग्रिम की वार्षिक समेकित वृद्धि दर 34.1 फीसदी रही। जबकि इस अवधि में जमा 25.1 फीसदी की दर से बढ़ा। ऐसे आक्रामक विस्तार पर पहले ही ध्यान दिया जाना चाहिए था। नियामक यह आंकने में भी नाकाम रहा कि बैंक के पास किस तरह की परिसंपत्तियां हैं। परिणामस्वरूप दिसंबर 2019 में समाप्त तिमाही में सकल गैर निष्पादित परिसंपत्तियां 19 फीसदी की दर से बढ़ीं। बैंक जितनी तेजी से जमा गंवा रहा था उसे देखते हुए बहुत पहले ही चेतावनी मिल जानी चाहिए थी। 5 मार्च तक छह महीने में बैंक का जमा 35 फीसदी गिरा। समस्या दरअसल 2015-16 में ही शुरु हो गई थी जब आरबीआई ने परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा का आदेश दिया था। इसके कारण वित्त वर्ष 2016, 2018 और 2019 में कई गैर निष्पादित परिसंपत्तियों का झुकाव येस बैंक के बहीखातों में हुआ और इसके अंकेक्षकों की नजर में आने का जोखिम उत्पन्न हो गया।

बड़ा मुद्दा यह है कि बैंकिंग नियामक जमाकर्ताओं और निवेशकों को किस प्रकार आश्वस्त करता है कि ऐसा कुछ दोबारा नहीं होगा। यह अहम है राज्य सरकार जैसे जमाकर्ता निजी बैंकों से अपना पैसा निकाल रहे हैं। आरबीआई ने राज्य सरकारों को लिखा है और केंद्र सरकार को भी हस्तक्षेप करके राज्यों से कहना चाहिए कि वे अनावश्यक निकासी न करें। यदि राज्य और सरकारी कंपनियां निजी बैंकों से पैसा निकालेंगे तो आम जमाकर्ता घबराएंगे। दूसरा विषय है येस बैंक का पुनर्गठन और इसके बचाव के लिए तथाकथित निजी-सार्वजनिक भागीदारी का। यह दिलचस्प है कि निजी बैंक के कई बैंक येस बैंक में इक्विटी पूंजी निवेश के लिए आगे आए। इन बैंकों के अंशधारक यकीनन इस विचार से नाखुश हैं और यह बात शेयर कीमतों से जाहिर भी हो रही है। संभव है कि येस बैंक को और अधिक पूंजी तथा इन बैंकों से निवेश की आवश्यकता हो। इसका असर इन बैंकों के अंशधारक प्रभावित होंगे और जोखिम में इजाफा होगा। इसके अलावा यह भी स्पष्ट नहीं है कि नए निवेशकों के लिए शेयर कीमत कैसे तय हुई। कम कीमत से मौजूदा अंशधारक और कम होते और नए निवेशकों के लिए जोखिम कम होता। इसके अलावा शेयर धारकों के 100 से अधिक शेयर रखने पर प्रतिबंध भी मूल्य निर्धारण को प्रभावित करेगा और बैंक के लिए पूंजी जुटाना और मुश्किल होगा। इनमें से कुछ मसलों को जितना जल्दी हल किया जाए बेहतर होगा। इससे भरोसा बहाल करने में सहायता मिलेगी।

अजय मोहंती

इस समय कैसा देश का मंदड़िया बाजार ?

भारतीय बाजार शुक्रवार को खुलते ही लोअर सर्किट को छू गए, जिससे 45 मिनट तक कारोबार रोकना पड़ा। क्या बाजार जरूरत से अधिक प्रतिक्रिया दिखा रहे हैं ? विस्तार से बता रहे हैं **देवाशिष बसु**

सेंसेक्स 13 फरवरी को 41,709 का स्तर छू गया था और विदेशी तथा घरेलू निवेश की लगातार आवक की बदौलत इसके और ऊंचाई पर जाने के आसार जताए जा रहे थे। साफ तौर पर संस्थागत निवेशकों, बाजार के जानकारों और निस्संदेह खुदरा निवेशकों में कोई चिंता नहीं थी। ऐसा लगता है कि आर्थिक वृद्धि घटकर 2.5 फीसदी पर आना कोई मुद्दा नहीं होगा। हां, पुरानी सीरीज के अनुसार वृद्धि 2.5 फीसदी होगी। हालांकि यह नई सीरीज के हिसाब से 4.5 फीसदी है।

बाजार से जुड़े लोग अब भी राजनीतिक नेतृत्व को दूरद्रष्टा मानते हैं। राजनीतिक नेतृत्व का ध्यान आर्थिक विकास के बजाय सामाजिक इंजीनियरिंग पर ज्यादा है। लेकिन यह भी अप्रासंगिक नजर आता है। ऐसा लगता है कि रिकॉर्ड बेरोजगारी भी कोई मायने नहीं रखती है। वाहन, पूंजीगत माल, निर्यात, कपड़े जैसे क्षेत्रों में एक के बाद एक की वृद्धि में गिरावट को अस्थायी माना जा रहा है। बजट का उत्साहवर्धक न होना और उसके बाद शेयरों की कीमतों में गिरावट ऐसी वजह थीं, जिनसे बिकवाली नहीं बल्कि लिवाली होनी थी। विश्लेषकों के मुताबिक बाजार सस्ता है, जो वित्त वर्ष 2021 में आमदनी में भारी वृद्धि के काल्पनिक आंकड़ों पर आधारित है। लेकिन यह भी गौर करें कि विश्लेषकों के बीच आमदनी के आंकड़ों को लेकर बनी सहमति कभी सही साबित नहीं हुई है।

इसके बाद कोरोनावायस का संक्रमण बढ़ा और ये अनुकूल परिस्थितियां बिगड़ गईं। पिछले शुक्रवार को भारतीय बाजारों में भारी गिरावट आई और ये लोअर सर्किट ब्रेकर को छू गए क्योंकि भय ने दुनियाभर में बाजारों को जकड़ लिया। सेंसेक्स 13 फरवरी की अपनी ऊंचाई से 13 मार्च को सूचकांक के निचले स्तर के बीच 29.5 फीसदी गिर चुका है। यह बहुत से लोगों के लिए आश्चर्यजनक है, लेकिन अप्रत्याशित नहीं। सेंसेक्स 11 मई, 2006 को दैनिक कारोबार के दौरान 12,671 के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था, जो उसी साल 14 जून को दैनिक कारोबार के दौरान 8,799 तक लुढ़क गया। यह एक महीने में 30 फीसदी गिरावट थी। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि बाजार के पुराने खिलाड़ियों को भी एक महीने में 30 फीसदी गिरावट याद नहीं होगी, इसके कारणों को तो छोड़ ही दीजिए।

इस बार शेयर बाजारों के साथ कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट आई है। वित्तीय विशेषज्ञों ने तत्काल एक सुर में कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भारत को अत्यधिक फायदा मिलेगा। यह तर्क दो वजह से गलत है। पहला, सरकार तेल की कीमतों में गिरावट के मौके का इस्तेमाल कर बढ़ाने में करेगी। यह लाभ मुश्किल से ही कभी ग्राहकों तक पहुंचने दिया जाता है। मोदी सरकार ने ऐसा वर्ष 2015, वर्ष 2018 और इस बार फिर किया है। दूसरा, तेल की कीमतों में गिरावट का भारत को फायदा मिलने की बात कहना चयनित और स्वहित का तर्क है क्योंकि इसमें सिक्के के एक पहलू को ही ध्यान में रखा गया है। तेल की कीमतों में गिरावट वैश्विक आर्थिक वृद्धि में गिरावट और मांग में मंदी की चिंताओं की वजह से आई है।

निश्चित रूप से आप तेल की कीमतों में गिरावट को एक सकारात्मक पहलू के रूप में नहीं देख सकते। आपको यह तथ्य पहचानना होगा कि मांग घटने के कारण बहुत से कारोबार बंद हो सकते हैं और बहुत से अत्यधिक प्रभावित हो सकते हैं। जब तक मांग बनी रहती है तो कारोबारी जगत लागत की परवाह नहीं करता है। अगर मांग घट जाती है तो इनपुट लागत घटने भी अप्रासंगिक हो जाता है।

असल मुद्दा यह है कि क्या कोरोनावायरस का संक्रमण पर काबू पा लिया जाएगा। एक के बाद एक शहर और देश खुद को दूसरों से काट रहे हैं। स्कूल, कॉलेज, सैर-सपाटे एवं मनोरंजन के केंद्र बंद हो रहे हैं। कॉन्फ्रेंस रद्द की जा रही हैं और वैश्विक यात्रा कारोबार चरमरा चुका है। इस समय इस महामारी पर वैश्विक अंकुश लगाना जरूरी है, लेकिन इससे आपस में जुड़ी हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक साथ व्यापार, परिवहन और पर्यटन में भी गिरावट आएगी। इससे मंदी आना सुनिश्चित है।

अमेरिका की सरकार ने ब्याज दरों एवं करों में कटौती और मौद्रिक नीति को नरम बनाकर इस दबाव को कम करने की कोशिश की है। लेकिन ऐसे समय राजकोषीय और मौद्रित नीतियों का क्या लाभ है, जब ज्यादा कारोबार के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं हैं और अड़चनों जैसी स्थितियां बनाई जा रही हैं ?

क्या बाजार जरूरत से अधिक प्रतिक्रिया दे रहे हैं ? शुक्रवार को भारतीय बाजार खुलते ही लोअर सर्किट को छू गए और 45 मिनट कारोबार को रोकना पड़ा। उनके फिर से खुलने से पहले यूएस इंडेक्स फ्यूचर्स सरकार की कुछ थोथी सरकारी घोषणाओं से चढ़ गए, जिसका वैश्विक बाजारों पर सकारात्मक असर पड़ा। इस वजह से भारतीय बाजार भारी तेजी के साथ खुले। यह द्विध्रुवीय बाजार की तरह नजर आ रहा है, जिसमें यह एक घंटे गिरता है और दूसरे घंटे चढ़ जाता है। यह अज्ञात चीजों के बारे में जानते हुए भी मानवीय प्रतिक्रिया के बारे में बताता है। हम जानते हैं कि यह महामारी हम सभी को प्रभावित करेगी, लेकिन यह नहीं जानते कि किस हद तक करेगी। जब हम सोचते हैं कि यह हमें अत्यधिक प्रभावित (भय) करेगी तो हम भयभीत होकर बिकवाली करते हैं और जब हम यह मानते हैं कि इस पर काबू पा लिया जाएगा (उम्मीद) तो हमें खरीद के मौके नजर आते हैं। लोगों को अनिश्चितता से घृणा है और उनकी इसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया होती है। जितनी अधिक अनिश्चितता होती है, उनकी प्रतिक्रिया उतनी ही कड़ी होती है।

गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक तीन तरह के मंदड़िए बाजार होते हैं। इनमें से एक युद्ध, तेल की कीमतों में बढ़ोतरी या उभरते बाजारों के संकट जैसे विशेष घटनाक्रम से संचालित होता है। ये घटनाएं भारत में नोटबंदी या अमेरिका में 9/11 जैसी घटनाएं हो सकती हैं। दूसरा बाजार चक्रीय होता है, जिसका कारण ब्याज दरों में बढ़ोतरी, मंदी की आशंका और लाभ में गिरावट जैसे कारकों के चलते आर्थिक चक्र में बदलाव होता है। इस तरह का मंदड़िया बाजार सूचकांक के मूल्य को 30 फीसदी घटा सकता है। ऐसा पहले ही हो चुका है। तीसरा ढांचागत मंदड़िया बाजार होता है, जो अर्थव्यवस्था में भारी असंतुलन और वित्तीय बुलबुलों की वजह से पैदा होता है। इसके बाद आम तौर पर कीमतों में बढ़ोतरी और अवस्फीति आती है। ऐसे मंदड़िए बाजारों में गिरावट करीब 57 फीसदी है। सवाल पैदा होता है कि इस समय कौनसा मंदड़िया बाजार है ? मेरा अनुमान है कि संस्थागत निवेशक यह मानते हैं कि यह घटना प्रेरित या चक्रीय है। लेकिन हकीकत यह है कि हम नहीं जानते। अगर महामारी को एक या दो महीनों में नियंत्रित कर लिया गया तो हमारे पास लिवाली के भारी मौके होंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम गंभीर आर्थिक संकट के कगार पर खड़े हैं, जिसके आकार-प्रकार से हम पूरी तरह अनभिज्ञ हैं।

वृद्धि के अनुमान जल्द आने और कम होने से बढ़ेगा भरोसा

दिल्ली डायरी

ए के भट्टाचार्य

जब केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने जनवरी 2017 में वर्ष 2016-17 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर संबंधी अनुमानों की घोषणा की थी तो नरेंद्र मोदी सरकार के आर्थिक नीति-निर्माताओं में निराशा देखी गई थी। जीडीपी वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान था जो सरकार की अपेक्षाओं से काफी कम और 2015-16 की वृद्धि दर से भी कम थी। आलोचकों ने कहा था कि यह आंकड़ा नोटबंदी के दुष्परिणामों का शुरुआती संकेत है। नोटबंदी के दौरान चलन में मौजूद 86 फीसदी बड़े नोटों को निरस्त घोषित कर दिया गया था। इस वजह से अर्थव्यवस्था को गहरे आघात का सामना करना पड़ा था और आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट की आशंकाएं बढ़ने लगी थीं।

लेकिन वर्ष 2016-17 में देश की आर्थिक वृद्धि को लेकर बनी धारणा दो साल बाद पूरी तरह बदल गई। उस वर्ष के लिए वृद्धि दर को संशोधित कर 8.2 फीसदी कर दिया गया। इसके बाद सरकार के आर्थिक नीति-निर्माता जोर-शोर से कहने लगे कि नोटबंदी के साल में भी वृद्धि दर न केवल मजबूत बनी रही बल्कि एक साल पहले की आठ फीसदी की वृद्धि दर से ऊंची भी रही। वर्ष 2016-17 के बारे में आए एक अन्य संशोधित अनुमान में वृद्धि दर को 8.3 फीसदी कर दिया गया।

दरअसल यह भारत में आर्थिक आंकड़ों में बार-बार किए जाने वाले संशोधनों का नतीजा है। सीएसओ किसी भी वित्त वर्ष के आर्थिक वृद्धि के बारे में कुल छह अनुमान जारी करता है। एक ही वित्त वर्ष के बारे में ये वृद्धि अनुमान तीन साल के दौरान जारी किए जाते हैं।

इस तरह वर्ष 2016-17 में जीडीपी वृद्धि के बारे में पहले अग्रिम अनुमान जनवरी 2017 में जारी किए गए। दूसरा अग्रिम अनुमान इसके एक महीने बाद फरवरी 2017 के आखिर में जारी किया गया। अस्थायी अनुमान कहे जाने वाले तीसरे अनुमान मई 2017 में जारी किए गए। फिर आठ महीनों के लंबे अंतराल पर प्रथम संशोधित अनुमान के रूप में चौथा अनुमान जनवरी 2018 में जारी किया गया। वर्ष 2016-17 की आर्थिक वृद्धि के बारे में दो अन्य अनुमान भी एक-एक साल के अंतराल पर जारी हुए। दूसरा संशोधित अनुमान 31 जनवरी, 2019 को आया जबकि तीसरा संशोधित अनुमान उसके ठीक एक साल बाद 31 जनवरी, 2020 को जारी किया गया।

वर्ष 2016-17 में जीडीपी संबंधी शुरुआती चार अनुमानों में कोई बदलाव नहीं किया गया था और इनमें वृद्धि दर 7.1 फीसदी पर ही थी। लेकिन दूसरे संशोधित अनुमान में इस दर को 8.2 फीसदी कर दिया गया और तीसरे संशोधित अनुमान में यह 8.3 फीसदी कर दी गई।

जीडीपी वृद्धि अनुमानों में बड़े फेरबदल का यह सिलसिला वर्ष 2017-18 और 2018-19 में भी थोड़े-बहुत बदलावों के साथ जारी रहा। वर्ष 2017-18 के लिए पहला अग्रिम अनुमान 6.5 फीसदी वृद्धि का था जिसे दूसरे अग्रिम अनुमान में बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया गया। अस्थायी अनुमान में इसे फिर से बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया गया। जनवरी 2019 में जारी पहले संशोधित अनुमान में यह 7.2 फीसदी और उसके एक साल बाद जारी दूसरे संशोधित अनुमान में हल्की गिरावट के साथ सात फीसदी कर दी गई। तीसरा संशोधित अनुमान अगले साल जनवरी में जारी किया जाएगा और तब संभवत: एक और नया आंकड़ा सामने आएगा।

जहां तक वर्ष 2018-19 का सवाल है तो अभी तक इसके बारे में पहले चार अनुमान ही सामने आए हैं लेकिन इन सभी में चार अलग-अलग आंकड़े देखे गए हैं। जनवरी 2019 में जारी पहले अग्रिम अनुमान में वृद्धि दर 7.2 फीसदी बताई गई थी जो फरवरी 2019 में जारी दूसरे अग्रिम अनुमान में सात फीसदी, मई 2019 में 6.8 फीसदी और जनवरी 2020 में संशोधित कर 6.1 फीसदी कर दी गई। इसके पहले के दो वित्त वर्षों के उलट 2018-19 के सभी अनुमानों में वृद्धि दर लगातार नीचे की ओर संशोधित की गई है। चालू वित्त वर्ष 2019-20 के बारे में पहले दो अनुमान सामने आ चुके हैं जिनमें बिना किसी बदलाव के वृद्धि दर पांच फीसदी रहने की बात कही गई है।

सकल मूल्य-वर्द्धन, निजी अंतिम उपभोग व्यय, सरकारी अंतिम उपभोग व्यय और सकल निर्धारित पूंजी सृजन जैसे अन्य मानकों में भी आंकड़े बदलते रहे हैं।

आर्थिक वृद्धि के आंकड़े अर्थव्यवस्था की हालत जांचने और जरूरी उपाय सुझाने के लिए नीति-निर्माताओं के पास एक अहम साधन है। अगर ये आंकड़े इतना बदलते रहते हैं तो इससे किसी भी नीतिगत पहल की प्रभावोत्पादकता प्रभावित होगी। करीब तीन साल की लंबी अवधि में इसे अंजाम दिए जाने का भी असर पड़ता है। इन छह अनुमानों में से जब भी कोई फेरबदल होता है तो उसके अगले साल के अनुमानों में भी संशोधन होना जरूरी हो जाएगा।

सीएसओ हर बार यह बताता है कि नए अनुमान में फेरबदल हुआ है। लेकिन इससे नीति-निर्माताओं की चुनौतियां कम नहीं हो जाती हैं। ऐसे बदलाव आंकड़ा जारी करने वाली व्यवस्था को राजनीतिक दबाव के लिहाज से असुरक्षित बना देता है ताकि एक खास राजनीतिक धारणा को पसंद आने वाले आंकड़े ही पेश किए जाएं। सीएसओ को तमाम अनुमानों तक पहुंचने की कार्य-पद्धति पर गौर करने के साथ ही व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने के लिए जरूरी उपचारात्मक कदमों का परीक्षण भी करना चाहिए। इसके साथ सीएसओ को एक ही वित्त वर्ष की जीडीपी वृद्धि के बारे में तीन वर्षों के भीतर छह अलग अनुमान जारी करने की जरूरत को भी परखना चाहिए। साफ तौर पर वृद्धि अनुमान जारी करने की मियाद और उनकी संख्या में कटौती करने से आंकड़ों की विश्वसनीयता और राजनीतिक दबावों के प्रति उनकी असुरक्षा से जुड़ी चिंताएं भी दूर की जा सकेंगी।

कानाफूसी

घर पर मध्याह्न भोजन

क्या आपने कभी सोचा है कि जिन दिनों विद्यालय बंद रहते हैं उन दिनों मध्याह्न भोजन योजना का क्या होता है ? केरल की सरकार इस मामले में एक नया उदाहरण स्थापित करने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार ने कोरोनावायरस के खतरे को देखते हुए कक्षा-7 तक के सभी स्कूल फिलहाल बंद कर दिए हैं। परंतु केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने घोषणा की है कि आंगनबाड़ी के सभी बच्चों को उनके घर पर मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों की संख्या और आंगनबाड़ी से उनके घर की दूरी के आधार पर यह तय किया जाएगा कि उन्हें पका-पकाया भोजन भिजवाया जाए या कच्चा अनाज दिया जाए। अगले कुछ दिनों तक हर बच्चे को 255 ग्राम दाल, 120 ग्राम गेहूं, 170 ग्राम मूंगफली, 55 ग्राम तेल और 180 ग्राम गुड़ दिया जाएगा। इसकी मदद से आसानी से पायसम (खीर) बनाई जा सकती है। आमतौर पर बच्चों को सप्ताह में दो दिन पायसम खिलाया जाता है। प्रदेश की 33,115 आंगनबाड़ियों में 375,000 बच्चे मध्याह्न भोजन योजना का लाभ लेते रहे हैं।

आपका पक्ष

पेट्रोल पर शुल्क वृद्धि से बढ़ेगा राजस्व

कोरोनावायरस के प्रकोप के कारण दुनिया भर में व्यापार के क्षेत्र में उथल-पुथल मची है। चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देश में पेट्रोलियम के इस्तेमाल में कमी आई है। विभिन्न कारणों से कच्चे तेल के दाम में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले कई दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम में काफी कमी आई है। हालांकि, सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की। इससे सरकार को 39,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। इस गिरावट के बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 70 रुपये प्रति लीटर से नीचे जा चुकी है। अब सरकार को इसे 70 रुपये के आसपास बनाए रखने के लिए यदि संभव हो तो फिर से उत्पाद शुल्क में वृद्धि करनी चाहिए। इससे एक ओर जहां पेट्रोलियम उत्पाद के बेजा इस्तेमाल पर लगाम लगेगी वहीं सरकारी खजाने में भी पैसा बढ़ेगा। इस अतिरिक्त रकम का इस्तेमाल सरकार प्रदूषण को कम करने के उपायों पर खर्च कर सकती है मसलन पौधरोपण का अभियान चलाने, लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने आदि के लिए। पराली जलाने वाले किसानों को भी रोकने के लिए आर्थिक प्रावधान किया जा सकता है।

सौरभ पासवान, मुजफ्फरपुर

हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में तीन रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया गया है

मुक्तिधामों का हो जीर्णोद्धार

दिवंगत व्यक्ति के पार्थिव शरीर की अंतिम क्रिया के लिए स्थापित मुक्तिधामों में व्याप्त गंदगी और अव्यवस्था वर्षों से गंभीर चिंता का विषय रही है। वर्तमान में श्मशान घाटों पर गंदगी बढ़ती जा रही है। अंतिम संस्कार के लिए गए लोगों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ता है। इनमें प्रमुख समस्या मुक्तिधाम के परिसर में व्याप्त गंदगी है। अंतिम संस्कार में आए परिजन भी इसमें बड़ी भूमिका निभाते पाए जाते हैं। परिजन मृत व्यक्ति के कपड़े, बर्तन सहित दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं मुक्तिधाम परिसर में ही छोड़ जाते हैं। कुछ लोग लंबी बीमारी के बाद मरने वाले व्यक्ति का मेडिकल वेस्ट जैसे ग्लूकोज बोतल की ट्यूब, इन्सुलिन की सिरिंज, बची हुई दवाइयां आदि भी शवदाह स्थल के आसपास ही फेंक देते हैं। दरअसल यह सब अंत्येष्टि में आए परिजनों की लापरवाही से ही हो रहा है। स्वच्छता के प्रति उनकी सोच और मानसिकता में कमी का ही परिणाम है कि बेहद गमगीन माहौल के बीच साफ-सफाई को लेकर जरा भी जागरूकता नही दिखाते। चिता से बची अधजली लकड़ियां, राख, अर्थियों के अवशेष भी यहां-वहां पड़े दिख जाते हैं। समुचित अहाते और चौकीदार की अनुपस्थिति में कई बार अंत्येष्टि स्थल असामाजिक तत्त्वों का आश्रय स्थल बन जाता है। देखा गया है कि अंत्येष्टि स्थलों के प्रबंधन में बड़े स्तर पर लापरवाही बरती जाती है। साथ ही सौंदर्यीकरण के कार्य केवल कागजों में ही दिखा दिए जाते हैं। एक आदर्श अंत्येष्टि स्थल में अहाता युक्त प्रांगण होने के साथ-साथ परिजनों के लिए पानी और छांव की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। मुक्तिधामों में 24 घंटे चौकीदारों की तैनाती होनी चाहिए। परिसर की सफाई की भी समुचित व्यवस्था होने चाहिए और अंतिम संस्कार के लिए आए परिजन आदि को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

ऋषभ देव पाण्डेय
पामगढ़, छत्तीसगढ़

पाठक अपनी राय हमें इस पते पर भेज सकते हैं : संपादक, बिजनेस स्टैंडर्ड, 4, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली - 110002. आप हमें ईमेल भी कर सकते हैं : lettershindi@bsmail.in पत्र/ईमेल में अपना डाक पता और टेलीफोन नंबर अवश्य लिखें।

धातुओं में गिरावट का दौर जारी

कोरोनावायरस की चिंता के कारण मूल धातुओं और कीमती धातुओं में बना हुआ है नरमी का रुख

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 17 मार्च

नरम पड़ती धातु

- एमसीएक्स पर मूल धातुओं और कीमती धातुओं के वायदा में गिरावट आई, एलएमई पर भी धातुओं में गिरावट रही
- जवेरी बाजार में चांदी 4 प्रतिशत तक गिरकर 35,145 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जबकि सोमवार को यह 36,640 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी

कोरोनावायरस (कोविड -19) का प्रकोप अन्य देशों में फैलने और इसके नए मामले सामने आने के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास की चिंताओं के कारण पिछले दिन की तीव्र गिरावट के उपरांत अस्थिरता के बीच मंगलवार को भी जिंस के दामों में गिरावट जारी रही है। एमसीएक्स पर मूल धातुओं और कीमती धातुओं के वायदा में गिरावट आई है। एलएमई पर भी धातुओं की कीमतों में गिरावट रही।

जवेरी बाजार में मंगलवार को चांदी चार प्रतिशत तक गिरकर 35,145 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जबकि सोमवार यह 36,640 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी। लेकिन व्यापारी सौदे करने को उत्सुक नहीं थे और वे खरीदारों को लागत के मुकाबले ज्यादा दामों की पेशकश कर रहे थे। ऐसे में थोक दामों पर कम ही सौदे हुए। कई डीलरों ने काफी कम दामों पर अप्रैल डिलिवरी की पेशकश की। वर्ष 2020 में अब तक चांदी के हाजिर दामों में 24.7 फीसदी की गिरावट आ चुकी है, जबकि सोना अपनी पूरी बढ़त गंवाकर केवल 1.6 फीसदी बढ़त के स्तर पर रह गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर अप्रैल में डिलिवरी वाले सोने का वायदा भाव दोपहर बाद के कारोबार में 1.96 प्रतिशत तक टूटकर 38,743 रुपये रह गया था। मई डिलिवरी के लिए चांदी के वायदा भाव में 4.8 प्रतिशत तक की तेज गिरावट आई और यह 34,470 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इस साल जनवरी के दौरान चीन में जब पहली बार कोविड-19 की सूचना मिली थी, तब सोने और चांदी में क्रमश: 15 प्रतिशत और 25 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है। वर्ष 2020 में एमसीएक्स पर चांदी 3.2 प्रतिशत और सोना 1.5 प्रतिशत लुढ़क चुका है।

कोटक सिक्योरिटीज की सहायक उपाध्यक्ष प्रियंका झावेरी ने कहा कि कोविड-19 के बढ़ते प्रसार और इसकी मार के कारण इक्विटी और जिंसों की वैश्विक धारणा लगातार कमजोर बनी हुई है। इसके परिणामस्वरूप जिंसों में गिरावट के रुख के साथ अस्थिरता जारी रहेगी।

वैश्विक शेयरों में गिरावट आनी शुरू होने के बाद हाजिर और वायदा दोनों सकारात्मक संकेत के साथ खुले थे, लेकिन दोपहर के सत्र में इनमें गिरावट आ गई जो वायदा में दिन के सत्र के कारोबार के समाप्त होने तक जारी रही। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड के एसोसिएट निदेशक किशोर नरणे ने कहा कि स्टॉक में मार्जिन का भुगतान करने के लिए कारोबारियों ने सोने और चांदी जैसे विविधतापूर्ण परिसंपत्ति वर्गों में अपनी होल्डिंग बेची है।

इस बीच सोने और चांदी में अस्थिरता से कल एमसीएक्स पर सराफा में रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार हुआ। सराफा खंड में 35,112.36 करोड़ रुपये का कुल कारोबार हुआ। दूसरी ओर, मंगलवार को लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) पर निकल को छोड़कर सभी प्रमुख धातुओं में एक से डेढ प्रतिशत के बीच गिरावट आई है। वैश्विक स्तर पर लगभग सभी देशों को कोविड-15 के द्वितीय स्तर (संक्रमण के 100 से अधिक मामलों) का सामना करना पड़ रहा है। इन देशों ने इसका प्रसार रोकने के लिए वस्तुओं और लोगों का देश में आना-जाना सीमित कर दिया है।

आलू के दामों में उबाल, 1 महीने में 25 प्रतिशत की आई उछाल

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 17 मार्च

प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में बार-बार ओलावृष्टि से फसल क्षति के कारण आलू के दामों में एक महीने के दौरान 25 प्रतिशत तक की उछाल आई है। इस वजह से आलू के मौजूदा दाम पिछले साल इस अवधि के आस-पास बोले जा रहे दामों के मुकाबले दोगुने हो गए हैं।

नाशिक स्थित राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एनएचआरडीएफ) द्वारा एकत्रित किए गए आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम बंगाल की बेंचमार्क थोक मंडी आसनसोल में आलू का आदर्श मूल्य 14 रुपये प्रति किलोग्राम है। देश भर में नई फसल की आवक बढ़ने से 14 फरवरी को यहां आलू के दाम लुढ़ककर सत्र के निम्नतम स्तर 11.20 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गए थे। थोक दाम आगे और बढ़कर 22 रुपये होने के आसार हैं, जिसका अर्थ यह है कि खुदरा बाजार में दाम 40 रुपये प्रति किलोग्राम तक हो सकते हैं।

खेतों में कीचड़ की वजह से बिना फसल कटाई के बड़ी मात्रा में पड़े आलू के अलावा किसानों ने ढुलाई के दौरान भी भारी नुकसान की सूचना दी है।

कोलकाता के थोक आलू विक्रेता और निर्यातक एग्रीव एक्सपोर्ट्स ऐंड इंपोर्ट्स के मैनेजिंग पार्टनर प्रवीर कुमार बेरा ने कहा, 'हमें इस साल ओलावृष्टि के कारण कम से कम 30 से 40 प्रतिशत आलू खराब होने के आसार लग रहे हैं जिससे थोक और खुदरा बाजारों में इसकी कीमतों में इजाफा हो गया है। चालू सत्र की फसल कटाई पूरी होने से आवक में लगातार गिरावट आने लगी है। आने वाले दिनों में आलू की कीमतों में और इजाफा संभव है।'

देश के कुल आलू उत्पादन में पश्चिम बंगाल का योगदान करीब 25 प्रतिशत (1.1 से 1.15 करोड़ टन) रहता है और यह उत्तर प्रदेश (करीब 30 प्रतिशत उत्पादन) के बाद दूसरे स्थान पर आता है। पिछले एक महीने के दौरान आसनसोल मंडी में आलू की आवक में गिरावट आई है जो अब घटकर 36 टन रह गई है, जबकि एक महीने पहले यह 50 टन थी। देश की सभी प्रमुख मंडियों में आलू के दामों और आवक का यही हाल है।

इस बीच किसान दामों में और इजाफे की उम्मीद से अपना स्टॉक जारी करने में देरी कर रहे हैं। इंदौर में अगले दो से तीन सप्ताह तक आलू की कटाई जारी रहने की उम्मीद है। यहां किसान आलू के दामों में और वृद्धि की उम्मीद से इसका अपने गोदामों में स्टॉक कर रहे हैं। मध्य प्रदेश कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के अध्यक्ष हसमुख जैन गांधी ने कहा कि आवक की मात्रा कम है, किसानों और मूल्य वृद्धि की उम्मीद है। आलू की बड़ी मात्रा कोल्ड स्टोरों में आ रही है। किसान और स्टॉकिस्ट अधिक आमदनी के लिए इसकी बिक्री में देरी करना चाहते हैं। बेरा को उम्मीद है कि अगले कुछ सप्ताह के दौरान थोक मंडियों में आलू के दाम उछलकर 22 से 25 रुपये प्रति किलोग्राम हो जाएंगे जो उपभोक्ताओं के लिए 40 रुपये प्रति किलोग्राम बैठेंगे।

आलू के औसत मासिक दाम

महीना/वर्ष	आगरा (उत्तर प्रदेश)	आसनसोल (पश्चिम बंगाल)
मार्च 2019	580	561
अप्रैल 2019	632	793
मई 2019	733	951
जून 2019	847	958
जुलाई 2019	838	979
अगस्त 2019	773	978
सितंबर 2019	736	974
अक्टूबर 2019	854	1,381
नवंबर 2019	875	1,571
दिसंबर 2019	1,176	1,962
जनवरी 2020	1,255	2,407
फरवरी 2020	911	1,544
मार्च 2020	994	1,349

स्रोत: एनएचआरडीएफ
बीएस रिसर्च ब्यूरो द्वारा संकलित

कोरोना से चीनी आपूर्ति श्रृंखला और वैश्विक दामों को झटका

वीरेंद्र सिंह रावत
लखनऊ, 17 मार्च

वैश्विक अर्थव्यवस्था को लगातार मंदी की ओर ले जा रही विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 (कोरोनावायरस) का साया घरेलू चीनी आपूर्ति श्रृंखला पर भी दिखने लगा है। मिलों से होने वाली चीनी खरीद में पिछले एक पखवाड़े के दौरान गिरावट आई है। यहां तक कि चीनी के अंतरराष्ट्रीय दाम भी 15 डॉलर प्रति पाउंड से घटकर 12 डॉलर से नीचे जा चुके हैं।

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अनुसार इस प्रकोप से पिछले 15 दिनों के दौरान मिलों से होने वाली चीनी बिक्री ठप हो गई है तथा माना जा रहा है कि थोक और खुदरा बाजारों में चीनी स्टॉक पिछले कुछेक सप्ताह में बिक चुका है। बाजार की समीक्षा करने वालों के अनुसार मिलों से चीनी की नई खरीद जल्द ही शुरू होगी क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला पिछले कुछेक सप्ताह के दौरान काफी हद तक कम हो चुकी होगी। इससे चीनी के दाम नियंत्रित रहेंगे, जबकि ताजा खरीद से घरेलू मिलों को मदद मिलेगी। इस्मा का कहना है कि कोविड-19 के प्रकोप के कारण मौजूदा 'अभूतपूर्व' स्थिति ने चीनी के वैश्विक दामों को प्रभावित किया है। हालांकि यह प्रभाव अस्थायी हो सकता है। इंडोनेशिया में निर्यात के नए अवसरों के संकेत मिले हैं। इस्मा ने कहा कि थाईलैंड के चीनी उत्पादन में 50 लाख टन तक की कमी तथा भारत, ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड से रियायती आयात शुल्क पर चीनी करने आयात की अनुमति देने के इंडोनेशिया के फैसले ने भारतीय कंपनियों को निर्यात के आकर्षक अवसर प्रदान किए हैं।

इसके अलावा इंडोनेशिया ने अपनी रिफाइनरियों के लिए अतिरिक्त आयात कोटा जारी किया है और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि थाईलैंड से चीनी की उपलब्धता में पहले ही 50 लाख टन की कमी आ चुकी है, भारत की कच्ची चीनी का इंडोनेशिया को निर्यात करने का अच्छा मौका मिला है।

भारतीय मिलें 15 मार्च, 2020 तक 60 लाख टन की अधिकतम स्वीकृत निर्यात मात्रा (एमएईक्यू) के मुकाबले निर्यात के लगभग 38 लाख टन चीनी अनुबंधों में से करीब 30 लाख टन की खेप भेज चुकी हैं। मिलों द्वारा प्रत्यक्ष निर्यात या व्यापारिक निर्यातक के जरिये निर्यात के लिए इस एमएमईक्यू का निर्धारण केंद्र सरकार करती है।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू भाव

As on Mar 17	International Price	International %Chg#	Domestic Price	Domestic %Chg#
METALS ($/tonne)				
Aluminium	1,640.5	-6.5	1,885.5	-0.9
Copper	5,211.0	-15.6	5,845.1	-9.4
Nickel	11,775.0	-16.4	12,188.6	-16.8
Lead	1,685.0	-10.0	1,912.5	-14.1
Tin	15,400.0	-10.5	16,161.6	-10.4
Zinc	1,932.0	-15.9	2,047.1	-21.5
Gold ($/ounce)	1,483.5*	0.5	1,664.1	0.0
Silver ($/ounce)	12.5*	-26.6	14.7	-24.1
ENERGY				
Crude Oil ($/bbl)	28.3*	-58.2	30.6	-54.0
Natural Gas ($/mmBtu)	1.8*	-22.8	1.8	-22.4
AGRI COMMODITIES ($/tonne)				
Wheat	179.8	-5.4	270.3	-10.2
Maize	178.9*	-3.4	219.4	-24.6
Sugar	340.6*	-3.4	464.9	-4.0
Palm oil	570.0	-20.8	942.8	-16.8
Rubber	1,433.3*	-10.7	1,737.4	-6.6
Coffee Robusta	1,209.0*	-14.0	1,811.4	-4.4
Cotton	1,308.9	-10.6	1,425.2	-10.3

* As on Mar 17, 20 1800 hrs IST, # Change Over 3 Months, Conversion rate 1 USD = 74.3& 1 Ounce = 31.1032316 grams.

Notes:
1) International metals, Indian basket crude, Malaysia Palm oil, Wheat LIFFE and Coffee Karnataka robusta pertains to previous days price. 2) International metal are LME Spot prices and domestic metal are Mumbai local spot prices except for Steel. 3) International Crude oil is Brent crude and Domestic Crude oil is Indian basket. 4) International Natural gas is Nymex near month future & domestic natural gas is MCX near month futures. 5) International Wheat, White sugar & Coffee Robusta are LIFF E future prices of near month contract. 6) International Maize is MATIF near month future, Rubber is Tokyo-TOCOM near month future and Palm oil is Malaysia FOB spot price. 7) Domestic Wheat & Maize are NCDEX future prices of near month contract, Palm oil & Rubber are NCDEX spot prices. 8) Domestic Coffee is Karnataka robusta and Sugar is M30 Mumbai local spot price. 9) International cotton is Cotton no.2-NYBOT near month future & domestic cotton is MCX Future prices near month tures.

Bloomberg chartMaker — Compiled by BS Research Bureau

एमसीएक्स

Name	Tovr (₹ Cr)	OI(000)
Agri commodity		
Cotton	68.7	40874
Oil and Oilseeds	420.6	93274
Spices	0.4	8
Metal(Mar 16)		
Metal- non ferrous	6914.2	36543
Metal- precious	35112.4	361
Oil and gas(Mar 16)		
Gas	2398.2	22575
Oil	8614.2	2018

एनसीडीईएक्स

Name	Tovr (₹ Cr)	OI(000)
Agri commodity		
Cotton	113.1	106691
Grains	158.8	70485
Oil and Oilseeds	487.3	343215
Others	109.3	56300
Pulses	63.9	46400
Spices	35.1	18333

एमसीएक्स बढ़ा/घटा

Name (Maturity)	Close	Day*
Gainers (* % Change)		
Crude Palm Oil (Mar 31)	612.7	0.8
Cotton (Mar 31)	17990.0	0.6
Kapas (Apr 30)	982.5	0.1
Losers (* % Change)		
Silver Mini (Apr 30)	36252.0	-10.6
Silver (May 05)	36207.0	-10.6
Crude Oil (Mar 19)	2161.0	-9.8
Silver Micro (Apr 30)	37011.0	-9.2
Nickel (Mar 31)	893.5	-3.1
Gold Petal (Mar 31)	3902.0	-3.0
Natural Gas (Mar 26)	136.4	-2.4
Zinc Mini (Mar 31)	148.3	-2.3
Copper (Mar 31)	412.5	-2.2

एनसीडीईएक्स बढ़ा/घटा

Name (Maturity)	Close	Day*
Gainers (* % Change)		
Coriander-Kota (Apr 20)	5620.0	1.4
Turmeric Nizamabad (Mar 20)	5416.0	1.3
Soyabean Indore (Mar 20)	3374.0	1.3
Chana-Bikaner (Mar 20)	3975.0	1.2
Jeera Unjha (Mar 20)	13580.0	1.1
Guar Seed 10 (Mar 20)	3440.0	1.1
Ref Soy Oil-IDR-2016 (Mar 20)	752.2	0.9
CottonSeed Oil-Akola (Mar 20)	1766.0	0.9
Mustard Seed Rape Oil (Apr 20)	3868.0	0.8
Losers (* % Change)		
Maize IndusNizamabad (Apr 20)	1446.0	-4.0
CastorSeed New-Disa (Mar 20)	3642.0	-2.8
GuarGum 5T-Jodhpur (Mar 20)	5274.0	-1.7

एमसीएक्स बढ़त/छूट

Name (Maturity)	Futures	Prem/Dis
Premium over spot price (In %)		
Silver Micro-Ahemd (Apr 30)	37011.0	6.1
Silver Ahm (May 05)	36207.0	3.8
Discount over spot price (In %)		
Menthol Oil Chandaus (Mar 31)	1120.6	-13.7
Cardamom Vandanmedu (Apr 15)	2305.5	-12.2
Zinc Mini Mumbai (Mar 31)	148.3	-5.0
Lead Mum (May 29)	140.3	-3.5
Lead Min Mumbai (Mar 31)	140.8	-3.2
Alumini-Mumbai (Mar 31)	137.3	-2.6
Cotton-Rajkot (Mar 31)	17990.0	-2.2
Gold Petal-Mumbai (Mar 31)	3902.0	-2.1
Zinc Mumbai (May 29)	153.1	-2.0
Aluminium Mum (May 29)	138.2	-2.0

एनसीडीईएक्स बढ़त/छूट

Name (Maturity)	Futures	Prem/Dis
Premium over spot price (In %)		
Maize-Sangli (Mar 20)	1629.0	7.4
Bajra-Delhi (Mar 20)	1641.0	1.4
Bajra-Jaipur (Mar 20)	1641.0	0.4
29 mm Cotton-Rajkot (Mar 20)	18420.0	0.3
Discount over spot price (In %)		
Barley Jaipur (Apr 20)	1628.5	-6.8
Soy Bean Indore (Mar 20)	3374.0	-6.6
Coriander-Kota (Apr 20)	5620.0	-5.2
Turmeric Nizamabad (Mar 20)	5416.0	-2.5
Guar Gum 5 MT-Jodhpu (Mar 20)	5274.0	-1.7
Moong-Merta City (Mar 20)	7645.0	-0.8
Paddy-Basmati-Karnal (Mar 20)	2977.0	-0.8

कल का हाजिर भाव

औद्योगिक

Metals	..............Mumbai
Aluminium utensil scrap /kg	107(107)
Aluminium ingots /kg	140(140)
Brass sheet cutting /kg	310(310)
Brass utensil scraps/kg	295(298)
Copper heavy scrap /kg	402(409)
Copper utensil scraps/kg	375(378)
Copper wire bar /kg	434(441)
Lead ingots /kg	142(144)
Nickel Cathodes /kg	905(930)
Tin slabs /kg	1200(1225)
Zinc slabs /kg	152(156)

Source:Bombay Metal Exchange

Cotton	..............Mumbai
Bengal Deshi /Qtl	10348(10292)
DCH - 32 /Qtl	11023(11023)
Jaydhar /Qtl	9392(9392)
Shankar- 6 /Qtl	10826(10826)

Source:Cotton Association of India

Oil	..............Mumbai
Castor FSG /10kg	828(830)
Castor Comm /10kg	818(820)
Ricebran oil/10kg	820(-)
Groundnut oil /10kg	1250(1250)
Linseed oil /10kg	880(-)
Karanji /10kg	790(-)
Palm oil /10kg	718(718)
Sunflower exp ref /10kg	810(810)
Sunflower oil exp /10kg	725(730)
Soyabean ref / 10kg	765(765)

Source:Bombay Commodity Exchange

सॉफ्ट

Sugar	..............Mumbai
Mumbai M-30 /Qtl	3332-3572 (3332-3572)

Source:Bombay Sugar Merchants Association

ऊर्जा

Crude Brent-$/Barrel	
NYSE Crude	29.17(28.7)
Brent Crude (UK)	28.35(27.93)
Brent Crude (WTI)	28.7(28.7)
NYSE Natural Gas-$/Mmbtu	1.79(1.82)
Furnace/ 180 Cst &/bbl	190.72(171.53)
Naptha spot /Rs/MT	45170(45170)
LSHS spot/ M.T.	36150(36150)
Furnace Oil spot/ K.L.	33950(33950)

Source:Petroleum Bazaar.com

सर्राफा

Gold	..............Mumbai
Standard (99.50 Purity) /10 gms	39726(39835)
Pure (99.90 Purity) /10 gms	39886(39995)
Silver.999/ kg	35145(36640)

Source:India Bullion & Jewellers Association

@SPOT PRICE(MCX, NCDEX & ICEX)

Commodity	Unit	PClose	Price (₹.) Close
29 mm Cotton-Rajkot (N)	1 B	18402.10	18364.55
Alumini-Mumbai (M)	1 K	140.70	140.90
Bajra-Delhi (N)	1 Q	1650.00	1618.75
Bajra-Jaipur (N)	1 Q	1640.00	1634.15
Barley Jaipur (N)	1 Q	1797.00	1748.05
Basmati-Amritsar (I)	100 KG	3232.00	3258.00
Cardamom-Vand. (I)	1 K	2700.00	2683.00
Castor Seed Disa (N)	1 Q	3881.25	3871.85
Castor Seed-Kadi (N)	X	3850.00	3830.00
Chana Bikaner (N)	1 Q	3922.20	3926.65
Chana Delhi (N)	1 Q	4114.70	4145.00
Chana-Akola (N)	X	3831.25	3875.00
Coriander-Gondal (N)	X	5704.00	5732.00
Coriander-Jaipur (N)	X	5600.00	5700.00
Coriander-Kota (N)	1 Q	5912.20	5925.85
Cotton Seed Oilck Ak (N)	1 Q	1826.50	1836.10
Cotton Seed Oilck Ka (N)	1 Q	1882.75	1878.70
Cotton-Kadi (N)	1 B	18381.60	18307.25
CPO-Kandla (M)	10 K	615.50	621.20
Crude Palm Oil Kandl (N)	10 K	618.40	620.30
Crude Palm Oil-KAKIN (N)	10 K	620.00	620.00
Diamond 0.3 - Surat (I)	1 CT	919.45	916.30
Diamond 0.5-Surat (I)	1 CT	1592.85	1587.95
Diamond 1-Surat (I)	1 CT	3590.25	3589.60
Gold Ahm (M)	10 G	39867.00	39741.00
Gold Guinea-Ahmedaba (M)	8 G	32022.00	31921.00
Gold Petal-Mumbai (M)	1 G	4003.00	3986.00
Guar Gum 5 MT-Jodhpu (N)	X	5500.00	5362.50
Guar Seed 10 MT-Jodh (N)	1 Q	3425.00	3375.00
Guarseed-Jodhpur (I)	1 Q	3370.00	3375.00
Gur Muzaffar Nagar (N)	40 K	1075.25	1075.80
Isabgulseed-Unjha (I)	1 K	104.00	103.80
Jeera Jodhpur-Jodhpu (N)	X	14300.00	14175.00
Jeera Unjha (N)	1 Q	13525.00	13618.50
Kachi Ghani Must Oil (N)	10 K	785.00	783.20
Kapas Kadi-Kadi (N)	X	986.15	982.20
Kapas-Rajkot (N)	X	979.20	976.85
Lead Mum (M)	1 K	147.00	145.40
Maize Kharif-Nizamab (N)	X	1600.00	1645.00
Maize Rabi-Gulabbagh (N)	1	1769.45	1775.10
Maize-Erode (N)	X	1466.65	1500.00
Maize-Feed/Ind- Gula (N)	1 Q	1769.45	1775.10
Maize-Feed/Ind-Delhi (N)	1 Q	1700.00	1700.00
Maize-Sangli (N)	X	1505.00	1516.80
Masoor Grain Bold In (N)	1 Q	4350.00	4400.00
Moong-Merta City (N)	1 Q	7640.00	7708.35
Mustardseed Alwar (N)	20 K	3973.50	4025.00
Nickel Mumbai (M)	1 K	911.70	906.70
Paddy-Basmati-Karnal (I)	1 Q	2994.00	2983.00
Paddy-Basmati-Karnal (N)	X	2975.00	3000.00
Paddy-Basmati-Pusa (N)	X	2731.25	2756.25
Pepper-Ernakulam (I)	1 K	319.40	320.00
Pepper-Kochi (N)	1 Q	32083.35	32281.80
R M Oil-Sriganganaga (N)	X	796.25	795.00
Rape mustards-Patan (I)	20 K	725.00	723.00
Rapeseed Must.Seed (N)	X	1920.00	1915.50
Raw Jute-Kolkatta (N)	X	5337.00	5323.35
RBD Palm Olein Kakin (N)	10 K	700.00	700.00
Ref Soya Oil Indore (N)	10 K	768.80	764.30
Ref Soya Oil Mum (N)	10 K	771.50	773.25
Ref Soya Oil Nagpur (N)	10 K	785.00	778.75
Rubber-Kochi (N)	1 Q	13000.00	12900.00
Rubber-Kochi/Ernak. (I)	1 Q	13083.00	12888.00
Silver M-Ahemdabad (M)	1 K	35726.00	34867.00
Soy Bean Indore (N)	1 Q	3609.00	3613.00
Soy Bean Kota (N)	1 Q	3434.00	3434.00
Soy Bean Nagpur (N)	1 Q	3610.75	3648.65
Soy Bean-Akola (N)	X	3475.00	3450.00
Soymeal Indore (N)	1 T	29375.00	29325.00
Soyoil-Indore (I)	10 K	769.00	764.80
Steel Long-Ghaziabad (I)	1 T	29200.00	28650.00
Steel Long-MGG (I)	1 T	30000.00	29400.00
Steel Long-Raipur (I)	1 T	27400.00	26420.00
Sugar M Delhi (N)	1 Q	3150.00	3160.00
Sugar M Grade-Kanpur (N)	1 Q	3266.65	3285.70
Sugar M Grade-Kolhap (N)	1 Q	3206.65	3205.00
Sugar M Kolkatta (N)	1 Q	3366.65	3366.65
Sugar M Muzaff (N)	1 Q	3203.20	3188.40
Sugar S-Kolhapur (N)	1 Q	3108.35	3106.65
Turmeric Nizamabad (N)	1 Q	5616.65	5557.15
Wheat Delhi (N)	1 Q	2200.00	2147.80
Wheat Kota (N)	1 Q	2005.00	1980.00
Wheat New Indore (N)	1 Q	1800.00	1800.00
Wheat New Kanpur (N)	1 Q	2013.75	2010.00
Wheat New-Rajkot (N)	1 Q	1741.65	1775.00
Yellow Peas Mum (N)	1 Q	5600.00	5750.00
Yellow Peas-Kanpur (N)	1 Q	4400.00	4900.00
Zinc Mumbai (M)	1 K	157.15	156.15

* as on Mar 16, 20

(M) MCX ,(N) NCDEX & (I) ICEX Spot prices

जिंस वायदा

Name Exchange (Units)

DAY SESSION
दिवस सत्र (मंगलवार)
कृषि जिंस

Maturity	Open, High Low Close	Qty	Trds	OI
Cotton				
Cotton MCX(1 B)				
Mar 31	17920, 18100, 17920, 17990	3831	520	25055
Apr 30	18180, 18330, 18180, 18220	1820	286	13707
May 29	18560, 18570, 18490, 18520	676	75	1241
CottonSeed Oil-Akola NCDEX(1 Q)				
Mar 20	1763, 1772, 1751, 1766	1060	38	11650
Apr 20	1747, 1804, 1707, 1725	47720	3350	69480
May 20	1765, 1815, 1721, 1739	6860	661	18920
Jun 19	1806, 1850, 1765, 1776	850	83	3730
Kapas MCX(20 K)				
Apr 30	989, 990.5, 979.5, 982.5	236	44	700
Shankar Kapas-Rajkot NCDEX(20 Kg)				
Apr 30	988, 992, 977.5, 983	696	444	2781
Grains				
Guar Seed 10 NCDEX(1 Qtl)				
Mar 20	3422, 3480, 3382, 3440	3135	327	5030
Apr 20	3362, 3430, 3314, 3378	39105	4466	52300
May 20	3400, 3446, 3336, 3398	4545	469	6625
Oil and Oilseeds				
CastorSeed New-Disa NCDEX(1 Qtl)				
Mar 20	3652, 3716, 3616, 3642	645	27	355
Apr 20	3690, 3740, 3632, 3644	5875	761	19345
May 20	3698, 3722, 3610, 3622	2170	282	8120
Crude Palm Oil MCX(10 K)				
Mar 31	602.2, 623.6, 602.1, 612.7	21480	1664	29970
Apr 30	597.9, 612.6, 596, 601.1	34160	2171	45110
May 29	601, 615.4, 598, 604	10030	729	17840
Mentha Oil MCX(1 K)				
Mar 31	1126.2, 1134, 1093.9, 1120.6	100.8	231	172.08
Apr 30	1090, 1090, 1074, 1079.7	93.96	140	153.72
Mustard Seed Rape Oil NCDEX(1 Q)				
Apr 20	3826, 3897, 3826, 3868	8870	757	16510
May 20	3832, 3892, 3831, 3859	3010	220	12130
Jun 19	3840, 3900, 3840, 3891	390	32	1910
Ref Soy Oil-IDR-2016 NCDEX(10 Kg)				
Mar 20	746, 754.8, 740, 752.2	3070	267	17760
Apr 20	704.6, 722.2, 704.6, 711.6	26600	3061	40345
May 20	695.8, 710.8, 694, 700.2	4540	571	6990
Soyabean Indore NCDEX(1 Q)				
Mar 20	3276, 3430, 3276, 3374	1640	213	2345
Apr 20	3320, 3380, 3314, 3346	33335	4120	127630
May 20	3302, 3360, 3300, 3334	10390	1570	66560
Jun 19	3326, 3372, 3318, 3340	3110	326	22905
Others				
GuarGum 5T-Jodhpur NCDEX(1 Qtl)				
Mar 20	5450, 5450, 5186, 5274	220	27	380
Apr 20	5302, 5395, 5222, 5267	18080	2756	49370
May 20	5361, 5464, 5264, 5344	2300	368	6515
Pulses				
Chana-Bikaner NCDEX(1 Qtl)				
Mar 20	3980, 3990, 3958, 3975	1530	28	570
Apr 20	3797, 3841, 3785, 3818	12010	878	28300
May 20	3844, 3877, 3823, 3852	2790	207	13020
Jun 19	3895, 3909, 3895, 3909	320	17	4490
Spices				
Coriander-Kota NCDEX(1 Q)				
Apr 20	5576, 5698, 5511, 5620	1260	118	6020
May 20	5695, 5732, 5581, 5641	340	27	2780
Jeera Unjha NCDEX(1 Q)				
Mar 20	13550, 13650, 13550, 13580	69	22	126
Apr 20	13165, 13480, 13115, 13435	1377	397	2244
May 20	13175, 13500, 13175, 13465	210	57	333
Turmeric Nizamabad NCDEX(1 Q)				
Apr 20	5430, 5534, 5402, 5532	575	109	5785

धातु

Maturity	Open, High Low Close	Qty	Trds	OI
Metal- non ferrous				
Aluminium Mini MCX(1 K)				
Mar 31	136.75, 137.25, 136.35, 136.6	3610	2701	4004
Apr 30	137.6, 137.6, 136.9, 137.1	455	420	1756
Copper MCX(1 K)				
Mar 31	413.6, 414.05, 407.4, 408.55	19870	6895	8612.5
Apr 30	416.7, 416.7, 410.7, 411.7	827.5	300	1435
Lead Mini MCX(1 K)				
Mar 31	140.5, 140.6, 139.2, 139.4	7502	5571	4648
Apr 30	140.2, 140.2, 139, 139.25	408	349	1257
Nickel MCX(1 K)				
Mar 31	904, 911.1, 885.6, 890.9	15739.5	9386	2148
Apr 30	904, 904, 881, 885.2	345	218	616.5
Zinc Mini MCX(1 K)				
Mar 31	148.25, 148.35, 146.6, 147	16600	11366	14193
Apr 30	150.5, 150.6, 148.65, 149	933	792	4650
Metal- precious				
Gold MCX(10 G)				
Apr 03	39489, 39740, 38650, 38756	9.51	8076	7.39
Jun 05	39825, 40007, 38909, 39025	1.52	1294	13.11
Aug 05	40093, 40093, 39200, 39367	0.08	79	0.31
Gold Guinea MCX(8 G)				
Mar 31	32021, 32700, 31802, 31848	0.01	1328	0.01
Apr 30	32338, 32639, 31739, 31821	0	424	0.01
Gold Mini MCX(10 G)				
Apr 03	39750, 39787, 38700, 38803	2.77	24525	0.65
May 05	39646, 39900, 38824, 38931	0.31	2010	0.41
Jun 05	39800, 40000, 38900, 38981	0.02	166	0.04
Gold Petal MCX(1 Gm)				
Mar 31	3909, 3925, 3815, 3827	0.01	3904	0.01
Apr 30	3942, 3984, 3862, 3866	0	1451	0.01
Silver MCX(1 K)				
May 05	36057, 36428, 34300, 34467	666.3	18037	263.19
Jul 03	36785, 36923, 34738, 34899	21.96	590	6.99
Silver Micro MCX(1 K)				
Apr 30	36800, 37227, 35150, 35306	97.89	78328	30.81
Jun 30	38200, 38200, 35721, 35905	11.4	9575	4.42
Silver Mini MCX(1 K)				
Apr 30	36580, 36580, 34360, 34516	275.28	46727	58.6
Jun 30	37100, 37127, 35045, 35183	8.9	1524	4.73

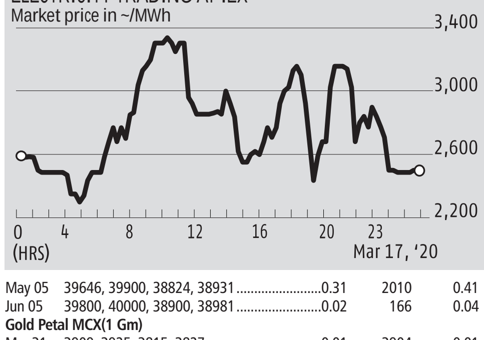

तेल एवं गैस

Maturity	Open, High Low Close	Qty	Trds	OI
Gas				
Natural Gas MCX(1 MB)				
Mar 26	136, 136, 132.1, 134.1	67888mb	36542	22943mb
Apr 27	138.3, 139.1, 136.7, 138.4	2284mb	1614	3045mb
May 26	143.5, 143.8, 141.4, 142.4	120mb	95	425mb
Oil				
Crude Oil MCX(1 BL)				
Mar 19	2213, 2253, 2149, 2192	14969bl	98375	1750bl
Apr 20	2279, 2306, 2204, 2247	956bl	7147	755bl
May 18	2372, 2390, 2308, 2333	5bl	40	23bl

सायं सत्र (सोमवार)
कृषि जिंस

Maturity	Open, High Low Close	Qty	Trds	OI
Cotton				
Cotton MCX(1 B)				
Mar 31	18060, 18100, 17830, 17890	5442	804	25727
Apr 30	18300, 18350, 18060, 18130	2985	443	13406
May 29	18510, 18600, 18350, 18350	417	57	1186
Kapas MCX(20 K)				
Apr 30	984, 990, 977, 982	480	77	696
Shankar Kapas-Rajkot NCDEX(20 Kg)				
Apr 30	990, 993, 977, 982	1189	653	2773
Oil and Oilseeds				
Crude Palm Oil MCX(10 K)				
Mar 31	617, 624, 595, 600.4	34380	2667	31110
Apr 30	603, 615, 585.8, 589.8	24640	1717	42890
May 29	605, 612.1, 582.4, 591.8	6060	435	12610
Ref Soy Oil-IDR-2016 NCDEX(10 Kg)				
Mar 20	743.8, 754, 740, 744.6	2675	279	17675
Apr 20	710.2, 723, 691.4, 702.4	29840	3592	37385
May 20	699.4, 711, 679, 688	5495	705	7265

धातु

Maturity	Open, High Low Close	Qty	Trds	OI
Metal- non ferrous				
Aluminium Mini MCX(1 K)				
Mar 31	136.8, 137.95, 135.5, 137.3	12492	9166	3282
Apr 30	137, 138.2, 136.5, 137.75	1313	1020	1531
Copper MCX(1 K)				
Mar 31	419.15, 419.15, 404.4, 412.45	51740	17173	7047.5
Apr 30	422, 422, 408.45, 415.3	2857.5	1037	1290
Lead Mini MCX(1 K)				
Mar 31	140.55, 141.2, 137.45, 140.75	25854	17440	3502
Apr 30	140.5, 140.85, 137.9, 140.5	1012	888	1205
Nickel MCX(1 K)				
Mar 31	917.8, 917.8, 874.2, 893.5	35098.5	21830	1342.5
Apr 30	909.2, 910.1, 870, 886.9	1014	638	604.5
Zinc Mini MCX(1 K)				
Mar 31	151.85, 151.85, 147.5, 148.3	55356	35195	12197
Apr 30	153, 153.25, 149.75, 150.7	3262	2380	4437
Metal- precious				
Gold MCX(10 G)				
Apr 03	40982, 41199, 38400, 39518	37.15	31019	7.01
Jun 05	41498, 41554, 38720, 39889	6.66	5668	12.88
Aug 05	41685, 41685, 39345, 39661	0.09	89	0.26
Gold Guinea MCX(8 G)				
Mar 31	33370, 33600, 31254, 32403	0.06	5039	0.01
Apr 30	33333, 33545, 31251, 32341	0.02	1611	0.01
Gold Mini MCX(10 G)				
Apr 03	40802, 41291, 38419, 39548	10.69	92571	0.56
May 05	41000, 41444, 38598, 39677	1.03	8538	0.42
Jun 05	41350, 41620, 38800, 39732	0.07	571	0.04
Gold Petal MCX(1 Gm)				
Mar 31	4033, 4082, 3782, 3902	0.05	13031	0.01
Apr 30	4144, 4145, 3835, 3941	0.02	5092	0.01
Silver MCX(1 K)				
Jul 03	41500, 41537, 34352, 36757	36.51	1134	8.67
May 05	40962, 41099, 33756, 36207	2200.89	61273	249
Silver Micro MCX(1 K)				
Apr 30	41385, 41474, 34652, 37011	287.33	209522	26.1
Jun 30	41800, 42000, 35194, 37599	27.96	21958	3.9
Silver Mini MCX(1 K)				
Apr 30	40546, 41104, 33300, 36252	920.11	150018	48.54
Jun 30	41790, 41790, 34412, 36961	30.73	5343	3.89

तेल एवं गैस

Maturity	Open, High Low Close	Qty	Trds	OI
Gas				
Natural Gas MCX(1 MB)				
Mar 26	136.6, 138.3, 133, 136.4	168983mb	84088	19471mb
Apr 27	141.4, 142.2, 137.2, 140.7	6866mb	4277	2690mb
May 26	144.9, 147.3, 142, 145.4	359mb	205	414mb
Oil				
Crude Oil MCX(1 BL)				
Mar 19	2334, 2343, 2123, 2161	36349bl	203595	1275bl
Apr 20	2433, 2433, 2175, 2224	2289bl	16654	719bl
May 18	2497, 2497, 2300, 2338	19bl	112	23bl

g-grams, k-kilograms, q-quintals, t-tonnes, b-bales,bl-barels,mb-mmBTU,m-Mnd; Quantity & Open interest in tonnes except for crude oil and natural gas; For Gas is '000 mmBTU & for crudeoil in '000 barrel; Market price in ₹.

आयुष्मान में कोरोना का भी इलाज

सरकार की प्रमुख आयुष्मान योजना में बीमारी के रोकथाम के लिए कोई कवर नहीं था लेकिन अब इसके लिए विशेष पैकेज तैयार किया जा रहा है

निवेदिता मुखर्जी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) सरकार की प्रमुख योजना आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के तहत कोरोनावायरस के लिए 'कोविड-19 विशेष पैकेज' की तैयारी में जुटा है क्योंकि कई राज्यों में संक्रमण के मामले में इजाफा हो रहा है। एनएचए के मुख्य कार्यकारी इंदु भूषण ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि प्राधिकरण एहतियात के तौर पर कई कदम उठा रहा है जिनमें विशेष पैकेज देने जैसा कदम भी शामिल है। कोरोनावायरस के लिए अलग वार्ड बनाने के पैकेज की योजना बनाई जा रही है जिसकी समीक्षा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) करेगा। हालांकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण का संचालक मंडल भी इसे मंजूरी देगा।

अधिकारियों ने कहा कि अगर कोरोनावायरस का प्रसार सामुदायिक स्तर तक फैलता है तब ऐसे पैकेज की जरूरत होगी। फिलहाल आयुष्मान-पीएमजेएवाई योजना में बीमारी के रोकथाम से जुड़ा स्वास्थ्य बीमा कवर नहीं है बल्कि इसमें अस्पताल में आईसीयू में भर्ती होने और गंभीर बीमारियों के इलाज और सामान्य वॉर्ड के लिए बीमा कवर मुहैया कराया जाता है।

आयुष्मान केंद्रों पर कोरोना जांच की अनुमति देने के लिए बातचीत जारी

लेकिन इस योजना में अलग वॉर्ड के लिए कोई प्रावधान नहीं है। इस योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले प्रत्येक परिवार को सालाना 5 लाख रुपये का बीमा कवर मिलता है। वायरस से संक्रमित मरीजों के लिए अलग वॉर्ड की जरूरत होगी जिनका खर्च अधिक होगा और इस पर पीएमजेएवाई के तहत खर्च किया जाएगा। एनएचए ने संक्रमण के आंकड़े और कॉल सेंटर के ब्योरे पर भी नजर रखी है। भूषण का कहना है कि इन उपायों से देश में कोरोनावायरस के असर को कम करने में मदद मिलेगी। आयुष्मान के आंकड़ों पर निगरानी करने वाले अधिकारी इन्फ्लूएंजा और सांस लेने में तकलीफ जैसी बीमारी में बढ़ोतरी पर नजर बनाए हुए हैं। अगर इनमें असामान्य इजाफा दिखता है तब इसकी जानकारी आईसीएमआर को दी जाएगी ताकि इस पर नियंत्रण किया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि बीमा पर्याप्त विश्लेषण के इस आंकड़े को साझा नहीं किया जाएगा। अधिकृत आयुष्मान केंद्रों पर कोरोनावायरस की जांच की अनुमति देने के लिए एनएचए और आईसीएमआर में बातचीत जारी है।

किफायती जांच पर जोर

पृष्ठ 1 का शेष

इस समय देश में 72 आईसीएमआर जांच घर मरीजों की जांच कर रहे हैं और इस सप्ताह के अंत तक 49 नए सरकारी लैब सक्रिय किए जाएंगे। इससे देश में कुल जांचघरों की संख्या बढ़कर 121 हो जाएंगी। आईसीएमआर के प्रमुख एवं स्वास्थ्य शोध विभाग (डीएचआर) में सचिव बलराम भार्गव ने कहा कि उनसे कई निजी जांचघरों ने संपर्क कर इस संकट की घड़ी में सहयोग देने की इच्छा जताई थी। देश में एनएबीएल मान्यता प्राप्त करीब 51 जांचघर हैं और आईसीएमआर इन्हें साथ मानक परिचालन प्रक्रिया के बारे में बताने की योजना बना रही है। निजी जांचघरों को संक्रमण पर नजर रखने और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों का पता करने के लिए सभी सूचनाएं तत्काल राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ साझा करनी होंगी। जांच से जुड़ी आवश्यक जरूरतें पूरी करने और राष्ट्रीय विषाणु संस्थान (नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ विरोलॉजी), पुणे से जांच किट सत्यापित कराने के बाद आईसीएमआर उन्हें कोरोनावायरस संक्रमण की जांच करने की अनुमति दे देगा। फिलहाल 8 जांच किट की पुख्ता पड़ताल हो रही है। हालांकि भार्गव ने निजी कंपनियों से जांच नि:शुल्क करने की अपील की है। वैसे उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह सरकार की तरफ से यह आग्रह नहीं कर रहे हैं। भार्गव ने कहा,'आईसीएमआर निजी जांचघरों से अपील करती है कि उन्हें कोविड-19 की जांच बिना किसी शुल्क के करना चाहिए। वे इस राष्ट्रीय संकट में हमारी मदद करने के लिए आगे आए हैं।' उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे जांच की नि:शुल्क पेशकश कर पाएंगे। थायरोकेयर के चेयरमैन वे वेलमणि का मानना है कि कोविड-19 संक्रमण की नि:शुल्क जांच संभव नहीं है, क्योंकि यह खासा महंगा होता है। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर सरकार जांच के काम में आने वाले आवश्यक रसायनों की आपूर्ति करती है तो आम आदमी के लिए जांच का खर्च कम हो जाएगा।

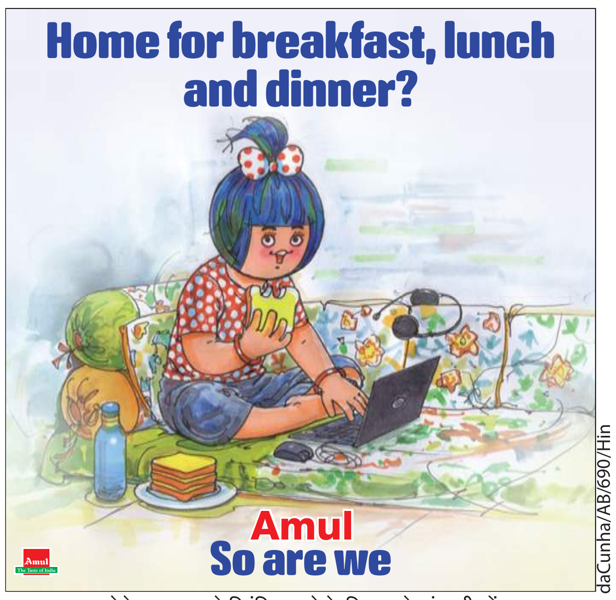

कोरोना वायरस को नियंत्रित रखने के लिए घर के अंदर ही रहें।

आईबीए : राहत पैकेज की मांग

इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) वित्तीय क्षेत्र पर कोविड-19 के असर को न्यून करने के लिए बैंक कर्मचारियों तथा ग्राहकों के लिए एडवाइजरी जारी करने जा रहा है। साथ ही, आईबीए कोरोनावायरस के प्रसार से प्रभावित व्यवसायों के लिए राहत पैकेज उपलब्ध कराने के लिए आरबीआई तथा भारत सरकार को भेजे जाने वाली सिफारिशों को तैयार कर रहा है। आईबीए के मुख्य कार्याधिकारी सुनील मेहता ने बताया कि आईबीए वित्तीय क्षेत्र तथा व्यवसायों पर कोरोनवायरस के प्रभाव का विश्लेषण भी कर रहा है। एसोसिएशन ने सोमवार को बैंकों के मुख्य कार्याधिकारियों के साथ एक आपात बैठक की और इस मामले पर उनकी शिकायतों पर चर्चा की। इस महीने की शुरुआत में केरल राज्य में एसबीआई के करेंसी चेस्ट को बंद करना पड़ा था क्योंकि वहां कोरोनावायरस से ग्रसित एक एनआरआई धन जमा कराने के लिए आया था। यहां के कर्मचारियों को 31 मार्च तक के लिए अलग निगरानी में रखा गया है। *बीएस*

सरकारी दफ्तरों में सतर्कता

बीएस संवाददाता

देश में कोरोनावायरस फैलने की आशंका को मद्देनजर रखते हुए केंद्र सरकार ने मंगलवार को देश भर में अपने कर्मचारियों, कार्यालयों और विभागों के लिए रोकथाम के उपाय जारी किए। नियमित रूप से जारी किए जाने वाले आगंतुक पास और अस्थायी पास तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिए गए हैं। विभागों और मंत्रालयों को निर्देश दिया गया है कि कार्यालय परिसरों में आगंतुकों के प्रवेश को रोका जाए। सरकार ने सभी मंत्रालयों और विभागों को सरकारी भवनों में प्रवेश स्थान पर थर्मल स्कैनर लगाने का आदेश भी दिया है। कार्मिक मंत्रालय की तरफ से जारी कार्यालय पत्र में कहा गया है, 'गैर-जरूरी कार्यालय यात्रा से बचें और अन्य कार्यालयों को फिजिकल फाइल और दस्तावेज भेजने से बचें।' वहीं भीड़ नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने भी प्लेटफॉर्म टिकट का दाम 10 से बढ़ाकर 50 रुपये कर दिया है। देश में कोरोनावायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 137 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए 5,700 से अधिक लोगों की निगरानी की जा रही है। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से 40 लोग संक्रमित हुए हैं और मुंबई में एक मरीज की मौत हो गई जिससे देश में वायरस के प्रकोप से मरने वालों की तादाद तीन हो गई। देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों से कोरोनावायरस संक्रमण के मामले सामने आए हैं। इन संक्रमित लोगों में 22 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में फैसला लिया गया कि कोरोनावायरस की वजह से प्रभावित दैनिक मजदूरी करने वालों के बैंक खाते में आरटीजीएस से सीधे कुछ पैसा डालेगी। इसके अलावा प्रदेश के सभी पर्यटन स्थलों को भी बंद कर दिया गया है। सरकार ने कहा कि सामुदायिक संक्रमण का मामला सामने नहीं आया है।

फोटोः दलीप कुमार

दिल्लीः बजट होटलों में 90 फीसदी कमरे खाली

रामवीर सिंह गुर्जर

कोरोनावायरस ने दिल्ली के बजट होटलों के कारोबार की कमरतोड़ दी है। इन होटलों के 90 फीसदी कमरे खाली पड़े हैं। होटल उद्यमियों को खर्चे निकालना भी दूभर हो गया है। जिससे उद्यमी एक तरफ कर्मचारियों की छंटनी करने को मजबूर हैं, वहीं दूसरी तरफ कर्मचारी भी कोरोना के डर से दिल्ली छोड़ रहे हैं। दिल्ली में 2,000-2,500 बजट होटल/गेस्ट हाउस हैं। जिनमें 50 से 60 हजार कमरें हैं। इन होटलों में 30 से 35 हजार कर्मचारी काम करते हैं। दिल्ली होटल ऐंड रेस्टोरेंट ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और करोलबाग के होटल उद्यमी संदीप खंडेलवाल ने बताया कि बजट होटलों के 90 फीसदी कमरे खाली पड़े हैं। ऐसे में कर्मचारियों का वेतन, बिजली-पानी बिल, साफ-सफाई और तमाम कर व शुल्क आदि भी नहीं निकल रहे हैं।

शेयर बाजार: फिलीपींस में बंद, भारत में भी होगा?

हाल में कई वैश्विक बाजारों में 20 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई और निवेशकों को 15 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ

समी मोडक

दुनिया भर में कोरोनावायरस का संक्रमण फैलने से करोड़ों डॉलर का नुकसान हो चुका है और अब निवेशक इसे लेकर विचार कर रहे हैं कि क्या पूंजी में और ज्यादा नुकसान से बचने के लिए शेयर बाजारों को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया जाना चाहिए।

सोमवार को, फिलीपींस वित्तीय बाजारों में कारोबार अनिश्चितकाल के लिए बंद करने वाला पहला देश बन गया। फिलीपींस ने कोरोनावायरस की महामारी की वजह से पैदा हुए मंदी के हालात से बचने के लिए बाजारों में कारोबार बंद करने का कदम उठाया है।

यह पहली बार नहीं है जब कारोबार को बंद किया गया है। 2001 में आतंकवादी हमलों (9/11) के बाद अमेरिकी बाजारों को एक सप्ताह तक बंद रखा गया था। इसी तरह, यूनान ने भी 2015 के यूरोपीय ऋण संकट के दौरान एक महीने से ज्यादा समय तक अपने बाजार को बंद रखा था।

इसलिए अब यह सवाल पैदा हो गया है कि क्या कारोबार बंद करना नियामकीय अधिकारियों के लिए एकमात्र विकल्प रह गया है?

फिलीपींस के शेयर बाजार में इस साल 30 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जो एशिया में सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर बाजारों में से एक है। बाजार बंद रखने की फिलीपींस की राह में श्रीलंका भी शामिल हो गया है।

विश्लेषकों की राय अलग अलग है। बाजार बंद रखने के खिलाफ नजरिया रखने वाले विश्लेषकों का कहना है कि इससे निवेशकों के लिए बाहर निकलने का अवसर समाप्त हो गया है, जबकि इसका समर्थन करने वालों का कहना है कि कोरोनावायरस महामारी शांत होने तक बाजारों को ब्रेक मिल सकता है। इक्विनोमिक्स रिसर्च ऐंड एडवायजर के मुख्य कार्याधिकारी जी चोकालिंगम का कहना है कि भारत जैसा बड़ा बाजार ऐसा कभी नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, 'इससे साख समाप्त हो जाएगी और विदेशी निवेशक धारणा प्रभावित होगी।' एनवाईएसई की अध्यक्ष स्टेसी कनिंघम ने इस कदम का विरोध करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया है। उन्होंने कहा, 'बाजारों को खुला रखना और उनमें सही ढंग से कामकाज बनाए रखना जरूरी है। बाजार मौजूदा चुनौतीपूर्ण समय के दौरान हर किसी के द्वारा महसूस की जा रही बड़ी अनिश्चितताओं का प्रतिबिंब है। बाजारों को बंद रखने से बाजार में गिरावट की मौजूदा प्रवृत्ति में बदलाव नहीं आएगा, और साथ ही इससे निवेशक धारणा में पारदर्शिता कमजोर होगी तथा अपनी पूंजी तक निवेशकों की पहुंच घटेगी। इससे मौजूदा बाजार की चिंता में सिर्फ इजाफा ही होगा।'

हाल के सप्ताहों में, कई वैश्विक बाजारों में 20 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई और इससे निवेशकों को 15 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ। बाजार जानकारों का कहना है कि कोरोनावायरस की वजह से पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता को देखते हुए निवेशकों को शेयरों की कीमतों को लेकर सही आकलन करना मुश्किल हो रहा है।

दक्षिण कोरिया के सोल के एक बैंक मुख्यालय में मुद्रा कारोबारी

हालांकि कई विश्लेषक फिलीपींस द्वारा उठाए गए कदम के पक्ष में दिख रहे हैं।

आईजी एशिया में बाजार रणनीतिकार जिंझी पान ने ब्लूमबर्ग को बताया, 'यदि हालात में सुधार आता है तो यह बंदी बाजार के लिए सकारात्मक काम करेगी और अल्पावधि में अस्थिरता घटेगी, जैसा कि चीन ने किया, भले ही बाजार में शुरू में कुछ हद तक समायोजन की स्थिति देखने को मिली। कोरोनावायरस के प्रसार को लेकर यदि स्थिति लगातार खराब होती गई तो इससे बाजार के पुन: खुलने पर भी बिकवाली देखी जा सकेगी।'

बीडीओ यूनिबैंक में रणनीतिकार जोनाथ रैवेलस ने ब्लूमबर्ग को बताया, 'मेरा मानना है कि यह एक अच्छा कदम है क्योंकि बाजार पहले से ही दबाव में है। कुछ समय का विराम मिलने पर निवेशकों को अपने पोजीशन पर पुनर्विचार करने में मदद मिलेगी। यह एक स्वास्थ्य समस्या है और लगता है कि बाजार की प्रतिक्रिया भी ज्यादा दिखी है।'

यूनाइटेड फर्स्ट पार्टनर्स में एशियाई शोध प्रमुख जस्टिन तांग ने ब्लूमबर्ग को बताया, 'भारी उतार-चढ़ाव की वजह से मौजूदा समय में बाजार में भय बना हुआ है। बाजार बंद रखे जाने से वे लोग प्रभावित होंगे जो आय के लिए ट्रेडिंग पर निर्भर रहते हैं, लेकिन इससे कारोबारियों को हालात का सही तरीके से आकलन करने के लिए समय मिलेगा। इस तरह के आकलन के लिए सिर्फ सप्ताहांत पर्याप्त नहीं है।' हालांकि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि बाजार में गिरावट बाजारों में बंदी, यात्रा पर प्रतिबंध और अन्य पाबंदियों के प्रभाव को दर्शा रही है। चोकालिंगम का कहना है, 'बाजार में कोरोनावायरस के प्रसार का संभावित अपस्फीति प्रभाव दिख रहा है। आपूर्ति और मांग, दोनों पर प्रभाव पड़ा है। लीमन संकट के दौरान, यात्रा पर प्रतिबंध नहीं था, सिर्फ वित्तीय व्यवस्था में भरोसा डगमगाया था। कोरोनावायरस ने अर्थव्यवस्था के कई सेगमेंट्स को प्रभावित किया है।'

अधिक कीमतों पर सतर्क ई-कॉमर्स

कोरोनावायरस महामारी के बीच ई-कॉमर्स कंपनियां एक और चुनौती से लड़ रही हैं, कृत्रिम तरीके से वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि। रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ तथा साफ सफाई वाले उत्पादों की मांग में तेजी आने के साथ ही ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इन उत्पादों की कीमतों में तेज इजाफा हो रहा है। एमेजॉन इंडिया ने मंगलवार को कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि इस महामारी के चलते उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच किसी भी उत्पाद की कीमतों में कृत्रिम वृद्धि न हो। हमने हजारों उत्पादों को हटा दिया है।' वैश्विक स्तर पर एमेजॉन ने कोरोनावायरस संबंधित फर्जी दावा करने वाले लाखों उत्पादों को प्लेटफॉर्म से हटा दिया है।

दूसरी ओर, फ्लिपकार्ट का कहना है कि वह भले ही अपने प्लेटफॉर्म पर उत्पाद की कीमतों पर नियंत्रण नहीं रखती लेकिन कंपनी उत्पादों की उचित कीमत के मामले में विक्रेताओं के साथ करीब से काम कर रही है। दोनों कंपनियां वर्तमान में स्टॉक से बाहर हो चुकी आवश्यक वस्तुओं को प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम कर रही फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस साझेदारों के साथ काम कर रहा है जिससे प्लेटफॉर्म पर हैंड सैनिटाइजर, दस्ताने तथा मास्क जैसे जरूरी उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। *बीएस*

बालाजी मंदिर प्रशासन ने उठाए कई कदम

टी ई नरसिम्हन

कोरोनावायरस महामारी के बचाव के तौर पर तिरुमला स्थित बालाजी मंदिर का कामकाज देखने वाले तिरुमला तिरुपति देवास्थानम (टीटीडी) ने स्क्रीनिंग केंद्र तथा आइसोलेशन वार्ड बनाने, चिकित्सकों की टीम गठित करने के साथ ही कई अहम कदम उठाए हैं। मंगलवार से प्रशासन ने लंबी कतारों या प्रतीक्षाघरों में इंतजार करने के बजाय दर्शन के लिए टाइम स्लॉट देने की व्यवस्था शुरू की है।

मंदिर प्रशासन के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 16 मार्च को 55,827 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए जबकि 15 मार्च को 63,747 तथा 14 मार्च को 78,872 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। देवस्थानम प्रशासन ने एक वक्तव्य में कहा, 'कोरोनावायरस को लेकर राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों के बाद टीटीडी ने वैकुंठ के कॉम्प्लेक्स 1 एवं 2 में बैठकर श्रद्धालुओं द्वारा दर्शन के लिए इंतजार करने की प्रक्रिया को बंद कर दिया है। श्रद्धालुओं को समय जारी किया जा रहा है और प्रशासन द्वारा आवंटित समय में सीधे भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने की सुविधा दी गई है।' तिरुमला तथा तिरुपति में श्रद्धालुओं को समय आवंटित करने के लिए विशेष काउंटर बनाए गए हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं और केवल आवंटित समय में ही दर्शन के लिए पहुंचे।

प्रशासन ने अनिवासी भारतीयों तथा विदेशियों से भी अनुरोध किया कि वे तिरुमला के लिए अपनी तीर्थयात्राएं स्थगित कर दें, साथ ही, सभी श्रद्धालुओं को मई 2020 तक दर्शन की तिथि स्थगित करने या टिकट रद्द करने की अनुमति दी है।

कई देशों ने सीमाएं कर दीं बंद

कोरोनावायरस की वजह से अमेरिका के शेयरों में ऐतिहासिक गिरावट आई, दुनिया भर में कई सीमाओं को बंद किया गया और रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा दिख रही है। विभिन्न देशों की सरकारें इस वैश्विक आपदा को रोकने के लिए सख्त उपाय कर रही हैं। दुनिया भर में अब तक 1,82,000 लोग संक्रमित हो गए हैं जबकि 7,100 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका में अब तक 80 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 4,300 लोग संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका के ओहायो प्रांत के स्वास्थ्य अधिकारियों ने डेमोक्रैटिक प्राइमरी के लिए मतदान केंद्रों को बंद करने का आदेश दिया। अमेरिका ने वैश्विक महामारी को रोकने के अपने प्रयासों को तेज करते हुए नागरिकों की आवाजाही को प्रतिबंधित करना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने पहली बार माना कि वैश्विक महामारी के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था संभवत: मंदी की ओर बढ़ सकती है जहां 1987 के बाद से पहली बार वॉल स्ट्रीट के शेयर करीब 13 प्रतिशत गिरकर सबसे निचले स्तर पर बंद हुए। अमेरिका की बड़ी विमानन कंपनियों ने कहा कि वह विमान सेवाओं में कम से कम 50 फीसदी की कटौती करेंगी।

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रो ने नागरिकों को आदेश दिया कि वह मंगलवार से लेकर अगले 15 दिनों तक घरों में ही रहें। मैक्रो ने कहा कि यूरोपीय संघ की बाहरी सीमाएं मंगलवार से लेकर अगले 30 दिनों के लिए बंद रहेंगी। अब तक 145 देशों में कोरोनावायरस फैल चुका है।

रूस के एक फूड मॉल के कर्मचारी

स्पेन में मंगलवार को कोविड-19 के लगभग दो हजार नए मामलों की पुष्टि हुई और इसी के साथ देश में कोरोनावायरस से संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 11,000 से ज्यादा हो गई। इस बीमारी से अब तक 491 लोगों की मौत हो चुकी है। पाकिस्तान में मंगलवार को कोरोनावायरस संक्रमण से पहली मौत दर्ज की गई जबकि देश में इस वायरस से संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 193 पर पहुंच गया। ईरान में कोरोना वायरस से 135 और लोगों की मौत हो गई और इस तरह मरने वालों की तादाद 988 तक पहुंची।

यूरो 2020 फुटबाल टूर्नामेंट 2021 तक स्थगित कर दिया गया है। वहीं अधिकारियों के मुताबिक कोपा अमेरिका 2020 के बजाय अब 2021 में होगा।

एजेंसियां